श्रावण कृष्ण पक्ष-14, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 37 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
11 अगस्त 2026 मंगलवार

आज का मौसम
25.2 अधिकतम
22.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

चीन, अमेरिका, ईरान और भारत... आसिम मुनीर के सामने बढ़ते संकट

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

मक्का समझौता
अंतिम

पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति को यदि एक वाक्य में कहना हो तो शायद यही कहा जा सकता है कि वह बाहर से अपना सुरक्षा घेरा बड़ा कर रहा है और भीतर से उसके संकट का घेरा छोटा होता जा रहा है। मक्का समझौता पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सहारा देता है। लेकिन यह समझौता उसकी उन समस्याओं का समाधान नहीं करता जो उसके भीतर पैदा हो रही हैं। सऊदी अरब पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति नहीं चला सकता। तुर्किए उसके प्रांतीय असंतोष का समाधान नहीं कर सकता। और चीन पाकिस्तान की जगह उसकी अर्थव्यवस्था नहीं चला सकता।

चीन के साथ पाकिस्तान की रणनीतिक साझेदारी उसकी सबसे बड़ी ताकतों में है। लेकिन चीन की अपनी प्राथमिकताएं हैं। CPEC, निवेश, व्यापारिक गलियारे और अपने नागरिकों तथा परियोजनाओं की सुरक्षा। इसलिए बीजिंग पाकिस्तान का साझेदार है, उसका संरक्षक नहीं। अमेरिका के मामले में भी पाकिस्तान को इसी वास्तविकता को समझना होगा। एक तरफ वह अमेरिका के साथ संबंध बनाए रखना चाहता है, दूसरी तरफ ईरान के साथ अपने पड़ोसी संबंधों को बचाना चाहता है और तीसरी तरफ सऊदी अरब तथा तुर्किए के साथ नई रक्षा व्यवस्था में शामिल हो गया है।

यानी पाकिस्तान को एक साथ चार अलग दिशाओं में संतुलन साधना है। सऊदी अरब के साथ सुरक्षा, ईरान के साथ पड़ोसी संबंध, अमेरिका के साथ कूटनीतिक उपयोगिता और चीन के साथ रणनीतिक साझेदारी। और इसके ऊपर इजरायल का फैक्टर है। यदि पश्चिम एशिया का संघर्ष फिर तेज होता है और मक्का समझौता वास्तविक सैन्य सहयोग में बदलता है तो इजरायल के लिए पाकिस्तान की भूमिका को नजरअंदाज करना कठिन होगा। इसलिए पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका भी उतनी सरल नहीं है जितनी दिखाई देती है। वह अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ बनना चाहता है, लेकिन उसी समय वह सऊदी अरब के साथ सामूहिक रक्षा समझौते में खड़ा है। मध्यस्थ की विश्वसनीयता और किसी एक पक्ष की सुरक्षा-साझेदारी, दोनों को एक साथ निभाना हमेशा आसान नहीं होता।

अपने ही भीतर से रक्षा की बड़ी चुनौती

मक्का में पाकिस्तान ने सऊदी अरब और तुर्किए के साथ बाहरी हमले की स्थिति में एक-दूसरे के साथ खड़े होने का संकल्प लिया है। लेकिन बलूचिस्तान का समाधान पाकिस्तान को खुद करना होगा। खैबर पख्तूनख्वा की हिंसा का समाधान उसे खुद खोजना होगा। पीओके और गिलगित-बाल्टिस्तान की बेचैनी का जवाब उसे खुद देना होगा। पंजाब और सिंध की आर्थिक समस्याओं का समाधान भी उसे खुद करना होगा। इमरान खान के प्रश्न का राजनीतिक उत्तर भी उसे खुद देना होगा। और सेना तथा राजनीति के रिश्ते की नई सीमा भी पाकिस्तान को खुद तय करनी होगी। आने वाले दिन पाकिस्तान के लिए केवल कठिन नहीं हैं। वे उसकी राज्य-व्यवस्था, उसकी राजनीति और उसकी सेना के सर्वेसर्वा मियाँ आसिम मुनीर के लिए बहुत बड़ी परीक्षा की घड़ी हैं। अब देखना यह है कि क्या पाकिस्तान अपने ही भीतर से अपनी रक्षा कर पाएगा?

और फिर आता है भारत...

भारत के साथ पाकिस्तान का विवाद अब केवल कश्मीर या सीमा तक सीमित नहीं है। आतंकवाद, पानी, व्यापार, सुरक्षा और राष्ट्रीय राजनीति–हर मुद्दा दूसरे से जुड़ गया है। पाकिस्तान के इतिहास में यह प्रवृत्ति रही है कि आंतरिक संकट के समय भारत-विरोधी राष्ट्रवाद को राजनीतिक एकजुटता के औजार के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसलिए यदि पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति और बिगड़ती है तो भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों या सीमा पर तनाव बढ़ाने की संभावना को नजरअंदाज करना खतरनाक होगा। लेकिन यहां पाकिस्तान के सामने एक नई समस्या है। भारत अब वह भारत नहीं है जिसके खिलाफ पुराना पाकिस्तान अपनी पुरानी रणनीति दोहरा सके। यदि पाकिस्तान आतंकी गतिविधियों के जरिये अपने भीतर के संकट से ध्यान हटाने की कोशिश करता है तो भारत की प्रतिक्रिया उसके लिए नई मुश्किलें पैदा कर सकती है। और यही कारण है कि अस्थिर पाकिस्तान भारत के लिए केवल कमजोर पाकिस्तान नहीं है। अस्थिर पाकिस्तान एक जोखिमपूर्ण पाकिस्तान है। भारत को पाकिस्तान के आंतरिक संकट से खुश होने के बजाय उससे पैदा होने वाले सुरक्षा जोखिम को समझना होगा।

अब लौटिए मियाँ आसिम मुनीर पर...

उनके सामने एक नहीं, कई पाकिस्तान हैं। बलूचिस्तान का पाकिस्तान। खैबर पख्तूनख्वा का पाकिस्तान। POK और गिलगित-बाल्टिस्तान का पाकिस्तान। पंजाब और सिंध का आर्थिक पाकिस्तान। इमरान खान का राजनीतिक पाकिस्तान। और सेना के प्रभाव में चलता हुआ पाकिस्तान। इन सबको एक साथ संभालना किसी भी नेतृत्व के लिए असाधारण चुनौती है। और समस्या यहीं खत्म नहीं होती। यदि इमरान खान का आंदोलन बढ़ता है तो राजनीतिक चुनौती बढ़ेगी। यदि पीपीपी और पीएमएल-N के बीच दूरी बढ़ती है तो सरकार की स्थिरता प्रभावित हो सकती है। यदि बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में हिंसा बढ़ती है तो सुरक्षा तंत्र पर दबाव बढ़ेगा। यदि पंजाब और सिंध में आर्थिक संकट गहराता है तो राजनीतिक संकट का आधार व्यापक हो सकता है। यदि पानी का संकट बढ़ता है तो कृषि और खाद्य सुरक्षा प्रभावित होगी। यदि भारत के साथ तनाव बढ़ाया जाता है तो बाहरी जोखिम बढ़ेगा। यदि ईरान के साथ संतुलन बिगड़ता है तो पश्चिमी सीमा और ऊर्जा सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। यदि अमेरिका के बहुत करीब जाता है तो चीन और ईरान के साथ उसका संतुलन कठिन होगा। और यदि सऊदी-तुर्किए सुरक्षा व्यवस्था में बहुत गहराई तक उतरता है तो उसकी मध्यस्थ भूमिका की सीमित हो सकती है। यानी पाकिस्तान के सामने कोई ऐसा रास्ता नहीं है जिस पर दूसरा संकट खड़ा न हो।

न्यूज विंडो

कोलंबिया में भूकंप से 132 मौतें, 86 इमारतें जमींदोज

परेरा। कोलंबिया में सोमवार रात आए 7.4 तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई। हादसे में 132 लोगों की मौत और 570 के घायल होने की खबर है। देशभर में 86 इमारतें ढह गईं, जबकि 1,500 से ज्यादा घर, 18 स्वास्थ्य केंद्र और 52 स्कूल क्षतिग्रस्त हुए। सात एयरपोर्ट पर काम रोक दिया गया है। परेरा में सबसे ज्यादा 60 मौतें हुईं। सरकार ने राहत-बचाव अभियान तेज कर दिया है।

पुणे-सातारा हाईवे पर कार डिवाइडर से टकराई, 4 की मौत

सातारा। महाराष्ट्र के सातारा जिले में पुणे-सातारा हाईवे पर मंगलवार तड़के तेज रफ्तार टाटा नेक्सॉन डिवाइडर पार कर सामने से आ रहे आयशर ट्रक से भिड़ गई। शिरवल के पास हुए हादसे में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो गंभीर घायल हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया।

राम मंदिर सीईओ पद के लिए आज होंगे इंटरव्यू, 18 उम्मीदवार चुने

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के CEO पद के लिए आज से दो दिवसीय इंटरव्यू शुरू होंगे। 5,200 से अधिक आवेदनों में से 18 उम्मीदवारों को अंतिम दौर के लिए चुना गया है। उम्मीदवारों से बेहतर प्रशासनिक व प्रबंधन अनुभव की अपेक्षा है। मंदिर से जुड़े सूत्रों के अनुसार, उम्मीदवार का हिंदू होना, शुद्ध शाकाहारी और शराब-नशे से दूर रहना जरूरी है। चयन समिति तीन नामों की सिफारिश करेगी, अंतिम फैसला 2 सितंबर को होगा।

आज का कार्टून

तेरे छात्र - मेरे छात्र ... संसद में एनडीए और विपक्षी सांसद आमने- सामने

भाजपा ने पूछा - राहुल झारखंड क्यों नहीं गए प्रियंका बोलीं- वे छात्रों से मुलाकात कर चुके

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद परिसर में आज 'तेरे छात्र , मेरे छात्र' वाला दृश्य सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच नजर आया। एनडीए और कांग्रेस सांसदों ने एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन किया। एनडीए सांसदों ने विपक्ष पर संसद में चर्चा से भागने का आरोप लगाया, जबकि कांग्रेस सांसदों ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने भी आ गए।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और भाजपा सांसद मुकेश दलाल का भी आमना-सामना हुआ। प्रियंका के संसद पहुंचने पर भाजपा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाने लगे। मुकेश दलाल ने पूछा कि राहुल झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्रों से क्यों नहीं मिल रहे हैं। प्रियंका मुस्कुराती हुई उनके पास गईं और कहा- राहुल झारखंड गए हैं और छात्र प्रदर्शनकारियों से मिल भी चुके हैं। दिल्ली में 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर छात्र प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज हुआ था। विपक्ष इस मुद्दे पर सदन में गृह मंत्री अमित शाह के जवाब की मांग कर रहा है। सरकार ने सोमवार को कह दिया था कि शाह इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं। हालांकि, राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष को शाह की राय नहीं सुननी, बल्कि यह जानना है कि छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और गोलीबारी का आदेश किसने दिया था। अब मानसून सत्र के सिर्फ 3 दिन बाकी हैं और 13 अगस्त को सत्र का अंतिम दिन है लेकिन छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के कारण संसद की कार्यवाही लगातार प्रभावित हो रही है।

लोकसभा अध्यक्ष का आग्रह बेअसर, नहीं चल सकी कार्यवाही

उधर ,लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों से सदन चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष को एक साथ आकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सदन में व्यवधान न हो। हालांकि, उनकी अपील के बावजूद विपक्षी सांसदों का हंगामा जारी रहा, जिसके बाद उन्होंने लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी।

झारखंड को लेकर संसद परिसर में राहुल गांधी को घेरते एनडीए सांसद।

रांची में एबीवीपी का विधानसभा घेराव भाजपा का प्रदेश बंद

झारखंड विधानसभा मार्च के दौरान छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में आज भाजपा की छात्र इकाई एबीवीपी विधानसभा का घेराव कर रही है। कार्यकर्ता पुरानी विधानसभा के पास जुटे और सड़क पर लेट गए। इधर, भाजपा ने आज राज्यव्यापी बंद बुलाया है। रांची में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई जगह सड़कें रोकीं और टायर जलाए। कुछ जिलों में कार्यकर्ता जबरन दुकानें बंद कराते नजर आए। कई शहरों में लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया गया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि जेएमएम के नेतृत्व वाली सरकार ने छात्रों की मांगों पर बात करने के बजाय प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। छात्रों ने सोमवार को प्रदर्शन किया था जिसमे कहा जा रहा है कि 100 से ज्यादा छात्र घायल हो गए।

एमपी में 8 महीने में 45 बाघों की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में वन्यजीव संरक्षण की सफलता अब मानव-वन्यजीव संघर्ष की बड़ी चुनौती बनती जा रही है। 2026 के शुरुआती आठ महीनों में जंगली जानवरों के हमलों में कम से कम 50 लोगों की मौत हुई, इनमें 22 जानें बाघों ने लीं। वहीं 45 से ज्यादा बाघ भी विभिन्न कारणों से मारे गए। मार्च से मई के बीच ही 30 इंसानों की मौत हुई, जब ग्रामीण जंगलों में महुआ और तेंदूपत्ता जुटाने जाते हैं। महाकौशल में बाघ हमलों से 14 मौतें हुईं। पिछले पांच वर्षों में वन्यजीव हमलों में 406 लोग मारे जा चुके हैं। बढ़ती बाघ आबादी, सिकुड़ता जंगल और मानव बस्तियों का विस्तार संघर्ष बढ़ा रहे हैं। विशेषज्ञों के सामने चुनौती बाघों के संरक्षण के साथ ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी है।

सरकारी स्कूल के मैदान में युवती से गैंगरेप, नाबालिग समेत 4 पकड़े

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर में 23 साल की युवती के साथ कथित तौर पर कई जगहों पर गैंगरेप किया गया, जिसमें एक सरकारी स्कूल का मैदान भी शामिल है। दावा है कि उसे जबरदस्ती शराब पिलाकर दुष्कर्म किया गया। चार लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस के मुताबिक, यह घटनाक्रम शराब की दुकान के पास शुरू हुआ, जहां से पीड़िता को स्कूल के मैदान में ले जाया गया और वहां उसके मारपीट की गई।

पीड़िता ने बताया कि शनिवार रात वह शराब की दुकान के पास से गुजर रही थी तभी कुछ लोग उसे सरकारी स्कूल के मैदान में ले गए जहां उसे जबरदस्ती शराब पिलाई और गैंगरेप किया गया। सुबह स्कूल के चौकीदार को पीड़िता स्कूल परिसर में बेहोशी की हालत में मिली, जिसके बाद पुलिस उसे इलाज के लिए एम्स ले गई। डीसीपी रॉबिन्सन गुड़िया ने बताया कि पुलिस को इस मामले की जानकारी रात करीब 8 बजे मिली, जिसके बाद चारों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया गया।

अमेरिकी कोर्ट से अडाणी के खिलाफ केस खारिज

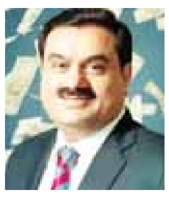

न्यूयॉर्क। उद्योगपति गौतम अडाणी पर 2024 में भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने पर सहमति जताने का आरोप लगा था। यह भी कहा गया कि रिश्वत के जरिए अडाणी ग्रुप की एक कंपनी को सोलर एनर्जी प्लांट का ठेका दिलाने की कोशिश की गई। अडाणी ग्रुप ने इन आरोपों को लगातार खारिज किया था। अब अमेरिकी कोर्ट से इस केस को ख़ारिज कर दिया गया है।

गौतम अडाणी के अमेरिका में 10 अरब डॉलर निवेश के वादे को लेकर भी सवाल उठे। 15 जुलाई को अदालत में दिए हलफनामे में अडाणी ने कहा कि उन्हें ऐसे किसी समझौते की जानकारी नहीं थी, जिसमें अमेरिका में निवेश करने के बदले आपराधिक मामला खत्म करने की बात तय हुई हो। हालांकि यह जरूर माना कि उन्होंने अमेरिका में 10 अरब डॉलर निवेश करने का वादा किया था। वहीं, उनके वकील रॉबर्ट जिफ्रा ने न्याय विभाग के साथ बातचीत में कहा था कि अडाणी समूह इस निवेश के वादे को मामले के समाधान का हिस्सा बनाने के लिए तैयार है। अमेरिकी न्याय विभाग ने पहले ही कह दिया था कि वह इस मामले को आगे नहीं बढ़ाएगा।

एमपी कैडर की दीप्ति गौड़ मुखर्जी को केंद्र में उच्च शिक्षा की कमान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उच्च शिक्षा विभाग में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। मध्य प्रदेश कैडर की 1993 बैच की IAS अधिकारी दीप्ति गौड़ मुखर्जी को देश की नई हायर एजुकेशन सेक्रेटरी यानी उच्च शिक्षा सचिव नियुक्त किया गया है। दीप्ति गौर मुखर्जी की नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब उच्च शिक्षा विभाग परीक्षा व्यवस्था और संस्थागत जवाबदेही से जुड़े सवालों के बीच काम कर रहा है। उनकी नई जिम्मेदारी सिर्फ विवि और उच्च शिक्षा संस्थानों की नीतियों तक सीमित नहीं होगी बल्कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के क्रियान्वयन में भी उनकी अहम भूमिका होगी।

मेट्रो एंकर | दिल्ली का आंदोलन खत्म होने के बाद सवालों के घेरे में है कॉकरोच जनता पार्टी

दिपके और केजरीवाल के बीच 6 फेस टाइम कॉल... आंदोलन का सूत्रधार कौन?

नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो नेटवर्क

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन से जुड़े सवाल अभी खत्म नहीं हुए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि अभिजीत दिपके ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग क्यों की, बल्कि यह है कि इस आंदोलन की राजनीतिक पटकथा आखिर लिखी किसने? एक रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के बीच छह फेस टाइम कॉल हुईं और केजरीवाल की ओर से आंदोलन को पर्दे के पीछे से मदद मिलने के संकेत मिले।

अगर यह दावा उपलब्ध कॉल रिकॉर्ड, डिजिटल साक्ष्यों और अन्य स्वतंत्र प्रमाणों से पुष्ट होता है, तो सीजेपी आंदोलन को केवल युवाओं के स्वतःस्फूर्त विरोध के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। तब सवाल उठेगा कि क्या दिल्ली की राजनीति में एक नए राजनीतिक प्रयोग की जमीन तैयार की जा रही थी?

जून में शुरू हुआ आंदोलन कई चरणों में आगे बढ़ा और जुलाई तक राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना रहा। यह कोई एक दिन का अचानक उभरा प्रदर्शन नहीं था। इसके पीछे संगठन, सोशल मीडिया नेटवर्क, समर्थक समूह और लगातार राजनीतिक संदेश देने की रणनीति दिखाई देती है।

तीन सवालों के जवाब जरूरी हैं: पहला - कॉल कब हुईं? दूसरा - कितनी देर चलीं और किसके बीच हुईं? तीसरा- क्या इनके बाद आंदोलन की रणनीति, कार्यक्रम या राजनीतिक संदेश में कोई ऐसा बदलाव आया जिसका संबंध इन बातचीत से जोड़ा जा सके? इन सवालों के जवाब मिलते हैं तो कहानी महज राजनीतिक आरोप नहीं रहेगी, बल्कि एक महत्वपूर्ण राजनीतिक कड़ी सामने आ सकती है। यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अरविंद केजरीवाल की राजनीति का बड़ा आधार आंदोलनों से निकला है। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से लेकर आम आदमी पार्टी के गठन तक उनकी राजनीतिक यात्रा ने यह साबित किया है कि सड़क का आंदोलन राजनीतिक विकल्प में बदल सकता है। लेकिन आज परिस्थितियां अलग हैं। दिल्ली की सत्ता हाथ से निकल चुकी है। आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर अपने राजनीतिक विस्तार और भविष्य की भूमिका को लेकर नई रणनीति बनानी है। ऐसे समय में यदि कोई नया युवा चेहरा, नया संगठन और सरकार विरोधी आंदोलन उभरता है तो स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठेगा कि क्या इसमें भविष्य की कोई राजनीतिक संभावना देखी जा रही है?

सवाल बना रहेगा कि परदे के पीछे कौन था...

दिल्ली का आंदोलन खत्म होने के बाद सीजेपी खुद भी सवालों के घेरे में आई है। प्रदर्शन में बच्चों की कथित भागीदारी को लेकर अभिजीत दिपके के खिलाफ पॉस्को से जुड़ीरिपोर्ट सामने आई है। दिपके ने प्रदर्शन को शांतिपूर्ण बताते हुए आरोपों से अपना बचाव किया है। दूसरी तरफ आंदोलन की विश्वसनीयता को लेकर सोशल मीडिया पर कई दावे और प्रतिदावे भी सामने आए, जिनमें कुछ को फैक्ट चेक रिपोर्टों ने भ्रामक बताया। इससे साफ है कि सीजेपी का आंदोलन अब सिर्फ शिक्षा व्यवस्था का मुद्दा नहीं रह गया है। यह धीरे-धीरे राजनीतिक विश्वसनीयता, नेतृत्व, संगठन और उसके पीछे मौजूद नेटवर्क की बहस में बदल गया है। हालांकि असली पटकथा अब सामने आनी बाकी है और सवाल बना रहेगा कि परदे के पीछे कौन था।

नाले जाम, सड़कों पर सैलाब

72 घंटे में ही बारिश का कोटा तो पूरा..नालों ने खोल दी निगम की पोल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मानसून सीजन में पानी की बूंदों के लिए तरस रहे भोपाल में आखिरकार बादल मेहरबान हुए। 24 घंटे में ही 7 इंच पानी गिर गया। इससे धरती की प्यास तो बुझी लेकिन नगर निगम के जिम्मेदारों की पोल भी खुल गई। रविवार से ही हो रही बारिश ने मंगलवार तक राजधानी में जन-जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। शहर की कई कॉलोनियों और निचली बस्तियां जलमग्न हो गईं। लोगों के घरों में पानी घुस गया। बारिश से पहले हर साल नालों की सफाई करने के नगर निगम के दावे हवा हो गए। नाले चोक हो गए और सड़कों पर इतना पानी जमा हो गया कि लोगों का निकलना दूभर हो गया। सेमरा से गुजरे पातरा नाले पर तो हालत बदतर हो गई। पुलिस पर ही गोद समेत प्लास्टिक के कचरे से नाले चोक हो गए। छोला रोड पर घुटने पर पानी जमा हो गया। कई गाड़ियों में पानी घुस गया और लोग परेशान होते रहे। महज 72 घंटे की बारिश में ही राजधानी में मानसून सीजन के कोटे की 71% बारिश पूरी हो गई। कोलार में 6.24 इंच और अरोरा हिल्स में 5.94 इंच बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार से 3 दिन भोपाल में हल्की बारिश हो सकती है।

छोला इलाके में रोड पर जमा हुआ घुटनेभर पानी।

- भोपाल में 24 घंटे में गिरा 7 इंच पानी। यह सीजन में पहली बार
- पुराने शहर के 50 से ज्यादा इलाकों में भरा पानीनिर्माण करेगी।
- छोला, बैरसिया इलाकों में सड़क पर नाले चोक, सड़क पर घुटनेभर पानी जमा।
- वीआईपी रोड और मिनाल क्षेत्र में सड़कें बन गईं तालाब।

पाइपलाइन में जगह-जगह जंग, छेद से रिसा पानी

दो पंप पर पेट्रोल में पानी, लोगों का हंगामा अफसरों ने लिए सैंपल, रुपए भी लौटाने पड़े

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के पेट्रोल पंपों पर पानी मिला पेट्रोल मिलने से ग्राहाकों ने हंगामा मचा दिया। जानकारी पर पहुंचे खाद्य विभाग के अमले ने जांच की। इसमें प्राथमिक तौर पर पुरानी पाइप लाइनों से वर्षा का पानी पेट्रोल में मिलने का पता चला है। टीमों ने सैंपल लेकर जांच को भेजे हैं। अफसरों का दावा है कि जांच के बाद पता चलेगा कि पेट्रोल में पानी कैसे मिला है। हालांकि संचालकों ने करीब 100 से अधिक ग्राहकों को करीब 19 हजार रुपए वापस दिलवाए हैं। भारत पेट्रोलियम के अशोका गार्डन पुष्पा नगर स्थित फैम फिलिंग पेट्रोल पंप पर सोमवार को ग्राहक दो पहिया वाहनों में पेट्रोल डलवाने पहुंचे। यहां कर्मचारियों ने जब वाहनों में पेट्रोल डाला तो कुछ दूर चलने के बाद उनके वाहन झटके के साथ बंद होना शुरू हो गए। जब उन्होंने पेट्रोल बोतल में निकाला तो उसमें आधा पानी व आधा पेट्रोल दिखा। इसके बाद ग्राहकों ने पंप पर जाकर हंगामा मचाया।

पाइपलाइन में छेद

सहायक आपूर्ति अधिकारी अशोक सत्यार्थी के साथ पेट्रोल पंप पर पहुंचे। बीपीसीएल के अफसरों को भी बुलाया। पाइप लाइन की जांच की। इसमें कई जगहों छेद भी हो रहे थे। आशंका है, इन्हीं के जरिए वर्षा का पानी पेट्रोल में जाकर मिला होगा। जहांगीराबाद में बीपीसीएल के पंप पर भी पानी मिला पेट्रोल मिलने की सूचना मिली। यहां भी टीम ने सैंपल लिए। 70 ग्राहकों से पेट्रोल लेकर उन्हें 10 हजार रुपए लौटाए।

18 साल तक के बच्चों को सेहतमंद बनाने की कवायद

आयुष डॉक्टरों की भर्ती से मजबूत होगा हेल्थ नेटवर्क, स्कूल-आंगनबाड़ी में बच्चों की जांच

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए संविदा आयुष चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस भर्ती से जिला और ब्लाक स्तर पर खाली पड़े आयुष डॉक्टरों के पदों को भरा जाएगा। आयुष डॉक्टर आंगनबाड़ियों और सरकारी स्कूलों में जाकर शून्य से 18 वर्ष तक के बच्चों के सेहत की नियमित जांच करेंगे।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत आयुर्वेदिक, होम्योपैथी और यूनानी चिकित्सा अधिकारियों के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती करने की तैयारी है। इससे भोपाल समेत प्रदेश भर के जिला और ब्लाक स्तर पर खाली पड़े आयुष डॉक्टरों के पदों को भरा जाएगा।

सेहत सुधरेगी

सरकार की इस तैयारी से डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी। वे जन्मजात बीमारियों, कुपोषण, एनीमिया, दृष्टि-दोष और अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों की समय रहते पहचान कर सकेंगे। उनका नि:शुल्क इलाज होगा। दवाइयां भी नि:शुल्क दी जाएंगी। आयुर्वेदिक, होम्योपैथी और यूनानी चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति से पारंपरिक एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों की पहुंच आम जनमानस तक बढ़ेगी।

विधायक विश्नोई के बंगले पर चोरी के मामले में 3 हिरासत में, लेकिन अपराध रोकने को काफी नहीं

3 दिन में 3 बड़ी वारदात: पूर्व मंत्री के बंगले में चोरी, सिपाही बंधक..खुलेआम चलीं गोलियां

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। बदमाशों की नकेल कसने के लिए पुलिस उन्हें जेल की सलाखों के पीछे तो भेज रही है। लेकिन पूरी तरह उन पर अंकुश लगाने में फेल साबित हो रही है। इससे पुलिस का इकबाल भी सवालों के घेरे में है। आलम यह है कि तीन दिन में बदमाशों ने एक ओर वीआईपी एरिया चार इमली में पूर्व मंत्री व जबलपुर के पाटन विधायक अजय विश्नोई के सरकारी बंगले में सेंध लगाई। वहीं, सोमवार रात रात्रि गश्त पर निकले पुलिस को दो बदमाशों ने अपनी कार में ही बंधक बना लिया। जैसे-तैसे आरक्षक ने कार से कूदकर अपनी जान बचाई। एक अन्य घटना में पश्चिमी रेलवे कॉलोनी रोड पर पुरानी रंजिश में बदमाशों ने ऑटो चालक पर गोली चला दी। इन तीन घटनाओं से हरकत में आई पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर दी। विधायक विश्नोई के बंगले पर चोरी के आरोपों में पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है। हबीबगंज पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही विश्नोई के यहां चोरी के मामले का पटाक्षेप कर दिया जाएगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार 2024 की तुलना में राजधानी में अपराधों में वृद्ध हुई है। 2024 में दुष्कर्म के जहां 305 केस आए थे। 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 367 हो गया। 2024 में झपटमारी के 39 मामले थे। यह भी 2025 में 165 से ज्यादा हो गए। यानी एक ही साल में दुष्कर्म के मामलों में 20 फीसदी की वृद्धि हुई।

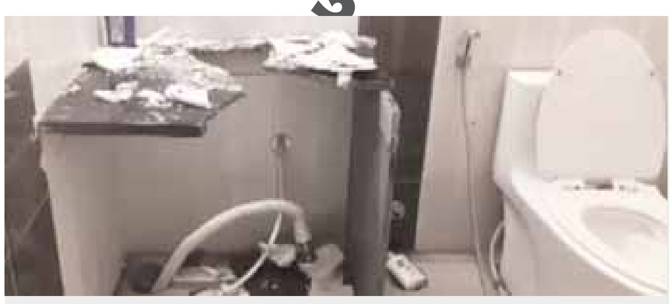

हत्या के आरोपी ने सिपाही को ही बनाया बंधक

भोपाल में बदमाशों ने शनिवार-रविवार की दरमियानी रात सिपाही सुंदरम पटेल को बंधक बना लिया। साथी आरक्षक मंयक के साथ वे शाहपुरा के दानापानी इलाके में आधी रात खुले में शराब पी रहे साढ़े 12 बजे खुले में शराब पी रहे भूपेंद्र शर्मा और ऋषि नामदेव को रोका तो वे विवाद पर उतर आए। थाने ले जाने की बात पर दोनों ने सिपाही सुंदरम से मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने सिपाही को जबरन कार में बैठाया और गाड़ी लेकर भाग निकले। उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

कूदकर सिपाही ने बचाई जान

विदिशा में हत्या के प्रयास में आरोपी रहा भूपेंद्र ने सिपाही सुदंरम का मोबाइल छीनने का प्रयास किया। दोनों बदमाश सिपाही को रात 2 बजे तक कार में घुमाते रहे। इस बीच साथी सिपाही मयंक कार के पीछे बाइक से भागता रहा। आखिरकार मौका देखकर आंबेडकर फ्लाईओवर के पास सुदंरम ने कार से कूदकर जान बचाई। पुलिस ने दोनों ही बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

सवालों में पुलिस..

पुलिस ने जांच की तो कार रिटायर्ड अधिकारी के नाम पर मिली है। इस घटना से सवाल खड़े हो रहे हैं कि पुलिस ने आरोपियों को जेल तो भेज दिया, लेकिन क्या सरकारी कर्मचारी का अपहरण और गुंडागर्दी में बदमाशों को 7 साल की सजा दिला सकेगी। जानकारों की मानें तो कई मामलों में जांच की धीमी गति और साक्ष्य जुटाने में पुलिस का लचर रवैया बदमाशों को लंबे समय तक जेल में नहीं रोक पाता है। क्या इस मामले में पुलिस कोई नजीर बनाएगी।

इधर-दिन-दहाड़े चलाईं गोलियां

इस बीच पश्चिमी रेलवे कॉलोनी रोड पर भी पुरानी रंजिश में ऑटो चालक पर फायरिंग का मामला सामने आया है। शाहरुख खान ने पुलिस को बताया कि दो बाइक से आए 6 लोगों ने उस पर गोली चलाई। एक गोली पैर की पिंडली को छूते हुए निकल गई। जीआरपी भोपाल ने साहिल लोड और उसके पांच साथियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। बताते हैं, दोनों पक्षों में पहले से विवाद है। जीआरपी के मुताबिक ऑटो चालक सुबह 4 बजे वह पश्चिमी रेलवे कॉलोनी रोड से जा रहा था। तभी नवाब कॉलोनी का साहिल अपने पांच साथियों के साथ दो बाइक से पहुंचा और उस पर गोली चला दी।

यह है पुराना विवाद

साहिल के एक साथी की बहन ने शाहरुख के भाई अजान के खिलाफ निशातपुरा की मंडी चौकी में शारीरिक शोषण की शिकायत की थी। तब से दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ केस दर्ज कराए। तीन दिन पहले भी निशातपुरा में साहिल के साथियों पर केस दर्ज किया गया। इसके बाद कोतवाली में साहिल के भाई हारिस पर हमला हुआ। आशंका है, साहिल और हारिस पर दबाव बनाने के लिए फायरिंग की गई।

मृतक की शिनाख्त नहीं, पुलिस ने बनाई जांच टीम

मिली युवक की लाश, सिर और धड़ अलग-अलग, अवैध संबंध में हत्या की आशंका

भोपाल। दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा इलाके में युवक की हत्या के बाद उसका शव भेल इलाके में फेंक दिया गया। आइटीआइ पर रोड पर भेल के गेट नंबर-8 के पास त्रिवेणी गर्ल्स हॉस्टल के सामने उसका क्षत-विक्षत शव मिला। उसका सिर धड़ से अलग था। हैवानों ने उसका प्राइवेट पार्ट भी काट दिया। करीब सात से आठ दिन पुराना होने के कारण सड़क पर पड़ा-पड़ा सड़ चुका था। मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। गोविंदपुरा थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर के मुताबिक सड़क किनारे शव पड़े होने की सूचना मिली थी। धड़ अलग था। शरीर पर कपड़े के नाम पर सिर्फ पैंट थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स भेज दिया।

जांच..सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

पुलिस को प्रारंभिक जांच में आश्खंका है कि हत्या कहीं और की गई है। बाद में शव को यहां लाकर फेंका गया है। संभव है, हत्या अवैध संबंधों के चलते की गई है। पुलिस ने हत्यारे को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्य ढूंढ़ रही है। इसके लिए विशेष टीम बनाई गई है। मृतक की पहचान के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

लोकार्पण के बाद से ही सवालों के घेरे में रहा है फ्लाईओवर, अब जांच की मांग

निर्माण पर सवाल...154 करोड़ रुपए से बने आंबेडकर फ्लाईओवर की ऊपरी परत उखड़ी, झांकने लगे सरिए

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में 154 करोड़ रुपए से बने आंबेडकर फ्लाईओवर की हकीकत बारिश ने खोल दी है। फ्लाईओवर की ऊपरी परत ही जगह-जगह से उखड़ गई। इससे कॉन्क्रीट के नीचे दबे लोहे के सरिए बाहर दिखाई देने लगे हैं। इससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। निर्माण के बाद से ही यह फ्लाईओवर विवादों में रहा। लोकार्पण के शुरुआती दिनों में ही इसमें वाइब्रेशन और सतह के खुरदरेपन जैसी तकनीकी खामियां सामने आई थीं।

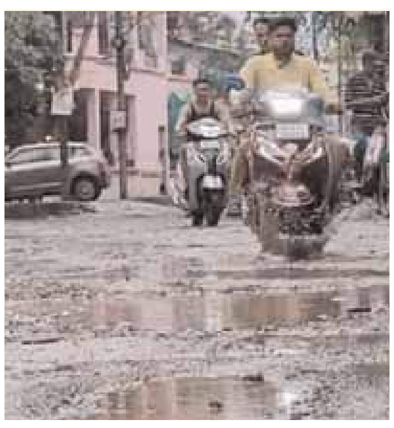

अब डामर भी लगी निकलने

अब फ्लाईओवर की ऊपरी परत पर लगी डामर निकलने लगी है। लोहे के सरिए बाहर निकलने से गाड़ियों के लिए यह भी खतरा बन रहा है। कांग्रेस नेताओं ने इस मामले को लेकर प्रशासन पर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के गंभीर आरोप लगाए हैं।

मामले की हो जांच

कांग्रेस का कहना है कि इतने बड़े बजट से बने इस प्रोजेक्ट की ऐसी हालत हो गई है। यह दिखाता है कि निर्माण कार्यों में मानकों की अनदेखी की गई। इस फ्लाईओवर से निकले सरिए की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। निर्माण एजेंसी तत्काल इसका मेंटेनेंस कर फ्लाईओवर को दुरुस्त करें। इसके साथ ही मामले की जांच होनी चाहिए।

अहमदाबाद में मेगा निवेश संवाद

कल गुजरात के उद्योगपतियों को सीएम देंगे मध्यप्रदेश में निवेश के लिए न्यौता

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति देने और देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों के साथ निवेश साझेदारी को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को को अहमदाबाद में गुजरात के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों से संवाद करेंगे। अहमदाबाद में मेगा निवेश रोड शो में सीएम गुजरात के उद्योग जगत को मप्र में निवेश अवसरों, अनुकूल औद्योगिक नीतियों और निवेशक सुविधाओं से अवगत कराएंगे। उन्हें मप्र में निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे। डॉ. यादव इस अवसर पर आगामी

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए भी गुजरात के उद्योग जगत को आमंत्रित करेंगे। सीएम गुजरात के प्रमुख औद्योगिक समूहों के प्रतिनिधियों संग वन-टू-वन बैठकें करेंगे। इसमें अरविंद लिमिटेड, टोरेंट पावर और अदाणी ग्रुप के प्रतिनिधियों संग वस्त्र, ऊर्जा, अधोसंरचना, विनिर्माण पर चर्चा करेंगे।

वन-टू-वन चर्चा

हरी कृष्ण एक्सपोर्ट के चेयरमैन डोलकिया, विप्रोपा समूह के चेयरमैन हुराजलम विपुला और अवकाश ग्रुप के चेयरमैन विकास भाई शाह के साथ भी व्यक्तिगत बैठकें होंगी। इनमें संभावित निवेश परियोजनाओं, औद्योगिक विस्तार, भूमि उपलब्धता तथा निवेशकों को उपलब्ध सुविधाओं और सहयोग पर चर्चा होगी। ताज स्काईलाइन होटल में मुख्य निवेशक संवाद सत्र में मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमता और निवेश संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा।

मेट्रो एंकर | कोच में सीटें नहीं, रिग्रेट होने से बढ़ी लोगों की परेशानी

रक्षाबंधन से पहले भोपाल से दिल्ली और मुंबई वाली ट्रेनें फुल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अगर आप रक्षाबंधन पर घर जाने की योजना बना रहे हैं तो टिकट के लिए आखिरी समय तक इंतजार न करें। 28 अगस्त को रक्षाबंधन है और 25 अगस्त से ही भोपाल से दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जाने वाली कई ट्रेनों में सीटें भरने लगी हैं।

कई ट्रेनों में वेटिंग, आरएलडब्ल्यूएल (रिमोट लोकेशन वेटिंग लिस्ट) और कुछ में रीग्रेट की स्थिति है, जो 31 अगस्त तक बनी रह सकती है। रेलवे ने अभी इन रूटों पर अतिरिक्त ट्रेन चलाने के निर्देश भी जारी नहीं किए हैं। ऐसे में यात्री अभी से दूसरी ट्रेन, कनेक्टिंग ट्रेन या बस का विकल्प तलाशें।

जब ट्रेनों में डायरेक्ट बर्थ न मिले तो कनेक्टिंग ट्रेनों का विकल्प भी देखें। इससे आपको कन्फर्म सीटें मिल सकती हैं।

भोपाल-रीवा के बीच चार स्पेशल ट्रेनें

रक्षाबंधन के दौरान रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए 25 से 31 अगस्त के बीच भोपाल-रीवा के बीच चार स्पेशल ट्रेनों का संचालन तय किया है। फिलहाल अन्य प्रमुख रूटों के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने के निर्देश नहीं मिले हैं। यात्रियों की मांग है कि दिल्ली, मुंबई और लखनऊ सहित अन्य रूटों पर भी अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जाएं। इस बारे में रेलवे अधिकारी से स्पेशल ट्रेनों के बारे में जानने की कोशिश की गई तो उनकी तरफ से कोई जानकारी नही मिली।

भोपाल-मुंबई रूट पर भी सीटों की कमी, दिल्ली जाना भी हो गया मुश्किल

भोपाल से मुंबई जाने वाली ट्रेनों में भी यात्रियों का दबाव बढ़ गया है। सीएसएमटी राजधानी में कन्फर्म बर्थ सीमित हैं। एलटीटी सुपरफास्ट और एलटीटी एक्सप्रेस में भी सीटों की उपलब्धता कम है। मंगलदीप एक्सप्रेस में वेटिंग बढ़ी हुई है, जबकि उद्योगनगरी एक्सप्रेस में 25 अगस्त से आरएलडब्ल्यूएल की स्थिति बनी हुई है। भोपाल एक्सप्रेस में 25 अगस्त से थर्ड एसी में 60 से अधिक वेटिंग और स्लीपर में करीब 80 आरएसी चल रही है। अन्य श्रेणियों में भी जनरल वेटिंग लिस्ट 10 से अधिक है। दिल्ली के लिए जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस और संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में आरएलडब्ल्यूएल की स्थिति है। वहीं एपी एक्सप्रेस और गोंडवाना एक्सप्रेस में भी अलग-अलग श्रेणियों में वेटिंग चल रही है।

लखनऊ रूट पर भी टिकट मिलना मुश्किल: लखनऊ जाने वाली एलटीटी-सीतापुर सुपरफास्ट, भोपाल-एमबीडीपी सुपरफास्ट, गोरखपुर एक्सप्रेस, पुष्पक एक्सप्रेस और कुशीनगर एक्सप्रेस में भी 25 से 31 अगस्त के बीच कई श्रेणियों में आरएलडब्ल्यूएल और रीग्रेट है।

परिषद अध्यक्ष ने सौंपा ज्ञापन, की मांग

फिजियोथैरेपी क्लीनिकों को वेस्ट सर्टिफिकेट से दें राहत

भोपाल। दोपहर मेट्रो

फिजियोथैरेपी क्लीनिक्स से जुड़ी लंबे समय से लंबित समस्या के समाधान के लिए भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ ने पहल की है। संघ अध्यक्ष फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. सुनील पाण्डेय ने मप्र स्टेट एलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशनल काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. डी. विजय कुमार को ज्ञापन सौंपा।
फिजियोथैरेपी क्लीनिक्स के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से बायो-मेडिकल वेस्ट सर्टिफ़िकेट की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की है। आग्रह किया कि फिजियोथैरेपी प्रोफेशन से जुड़े लंबित विषय का नियमसम्मत और शीघ्र निराकरण

कराने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएं। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि संघ का उद्देश्य किसी व्यक्ति या संस्था के विरुद्ध संघर्ष करना नहीं, बल्कि व्यवस्था को बेहतर और व्यावहारिक बनाने का प्रयास है। कहा कि वर्षों से लंबित मुद्दे को समाधान तक पहुंचाना संघ का संकल्प है। सकारात्मक संवाद और सामूहिक प्रयासों से ऐसा समाधान तलाशना जरूरी है।

मध्यप्रदेश शासन
भारतवर्ष की
चौदह विद्याएं चौंसठ कलाएं
बनी आधुनिक युग की शक्ति
भगवान श्रीकृष्ण
मेधावी छात्रवृत्ति योजना
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
प्रतियोगिता
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
महर्षि सांदीपनि, श्रीकृष्ण द्वारा अर्जित 14 विद्याओं एवं 64 कलाओं एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर केन्द्रित
छात्रवृत्ति राशि
प्रति छात्र
₹ 1, 00, 000
छात्रवृत्ति संख्या
102 विद्यार्थी (51 विद्यालय वर्ग +51 महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय)
प्रारंभ तिथि
प्रतियोगिता की प्रारंभ तिथि 11 अगस्त, 2026
चयन प्रक्रिया
विजेताओं का चयन लॉटरी के माध्यम से
पात्रता
प्रदेश के सभी विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क
अंतिम तिथि
प्रतियोगिता की अंतिम तिथि 30 सितम्बर, 2026
वितरण
छात्रवृत्ति वितरण मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 1 नवम्बर, 2026
आयोजक
श्रीकृष्ण पाथेय न्यास
मध्यप्रदेश शासन
संस्कृति विभाग का आयोजन
सहभागिता
स्कूल शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग,
लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग,
खेल एवं युवा कल्याण विभाग, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, जनसंपर्क विभाग
प्रतियोगिता की अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
D-11075/26

राजनीति का दोहरा चेहरा

छात्रों के सवाल पर राजनीति का चरित्र अक्सर उसकी असली तस्वीर सामने ला देता है। झारखंड हो या दिल्ली, जब युवा अपने अधिकार, परीक्षा, रोजगार, छात्रवृत्ति, फीस या शिक्षा व्यवस्था को लेकर आवाज उठाते हैं तो उनसे सहानुभूति और संवाद की अपेक्षा होती है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि राजनीतिक दल छात्रों की आवाज को भी अपनी सुविधा और सत्ता के समीकरण से देखने लगते हैं। विपक्ष में रहते हुए जिस आंदोलन को लोकतंत्र की आवाज बताया जाता है, सत्ता में आने के बाद उसी तरह के प्रदर्शन को अनुशासनहीनता या व्यवस्था के लिए खतरा बताया जाने लगता है।

झारखंड के छात्रों के सवाल हों या दिल्ली के विश्वविद्यालयों और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े मुद्दे, मूल प्रश्न एक ही है–क्या छात्रों को अपनी बात रखने का समान अधिकार है? यदि दिल्ली में छात्रों का प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है तो झारखंड में वही अधिकार संदिग्ध क्यों हो जाता है? और यदि किसी आंदोलन में कानून-व्यवस्था का सवाल उठता है तो फिर यह कसौटी हर जगह समान क्यों नहीं होनी चाहिए?

राजनीतिक दलों की सुविधा के अनुसार लोकतंत्र की परिभाषा बदलना खतरनाक प्रवृत्ति है। छात्र किसी पार्टी के वोट बैंक मात्र नहीं हैं। वे देश के भविष्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनकी शिकायतों को सुनना सरकार की जिम्मेदारी है, चाहे वे किसी राज्य में हों और किसी भी राजनीतिक दल की सरकार क्यों न हो। यह भी समझना होगा कि हर छात्र आंदोलन को राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज कर देना आसान है, लेकिन इससे समस्या खत्म नहीं होती। फीस, भर्ती परीक्षाओं की पारदर्शिता, पेपर लीक, छात्रवृत्ति में देरी, विश्वविद्यालयों की अव्यवस्था और रोजगार की चिंता वास्तविक मुद्दे हैं। जब संस्थागत रास्तों से समाधान नहीं मिलता, तब सड़क पर आवाज उठना असामान्य नहीं है।

सत्ता में बैठे नेताओं को यह तय करना होगा कि वे छात्रों को विरोधी मानते हैं या संवाद का पक्ष। लोकतंत्र में असहमति कोई अपराध नहीं है। हां, हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और कानून तोड़ने की घटनाओं पर कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन कार्रवाई का पैमाना भी राजनीतिक पहचान देखकर नहीं बदलना चाहिए।

दोहरे रवैये का सबसे बड़ा नुकसान राजनीति को नहीं, लोकतंत्र को होता है। युवा पीढ़ी जब देखती है कि सत्ता बदलते ही किसी आंदोलन की व्याख्या बदल जाती है, तो उसका संस्थाओं पर भरोसा कमजोर होता है। राजनीति का असली इम्तिहान यही है कि नेता अपने समर्थकों के लिए नहीं, अपने विरोधियों और असहमत नागरिकों के अधिकारों के लिए भी उतनी ही मजबूती से खड़े हों। झारखंड का छात्र हो या दिल्ली का–उसकी आवाज की कीमत समान होनी चाहिए। लोकतंत्र में न्याय का पैमाना राज्य, पार्टी और सत्ता के हिसाब से नहीं बदल सकता।

जैव ईंधन... स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा भारत

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

भारत आज जिस विकास यात्रा पर आगे बढ़ रहा है, उसमें ऊर्जा सबसे महत्वपूर्ण जरूरतों में से एक है। उद्योग हों, परिवहन हो, खेती हो या आम जनजीवन–हर क्षेत्र की गति ऊर्जा पर निर्भर है। लेकिन ऊर्जा की बढ़ती मांग के साथ पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा सुरक्षा की चुनौती भी लगातार गंभीर होती जा रही है। ऐसे समय में जैव ईंधन भारत के लिए केवल ऊर्जा का वैकल्पिक स्रोत नहीं, बल्कि स्वच्छ पर्यावरण, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

भारत लंबे समय से अपनी ऊर्जा जरूरतों के एक बड़े हिस्से के लिए आयातित कच्चे तेल पर निर्भर रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर पड़ता है। पेट्रोलियम आयात पर खर्च होने वाली बड़ी राशि विदेशी मुद्रा पर दबाव डालती है। यदि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों में घरेलू स्तर पर उपलब्ध संसाधनों की हिस्सेदारी बढ़ाता है, तो यह निर्भरता धीरे-धीरे कम की जा सकती है। जैव ईंधन इसी दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

जैव ईंधन का सबसे बड़ा आधार हमारे आसपास मौजूद जैविक संसाधन हैं। गन्ने से एथेनॉल, कृषि अवशेषों से सेकंड जनरेशन एथेनॉल, जैविक कचरे से बायोगैस और बायो-सीएनजी तथा वनस्पति तेलों से बायोडीजल तैयार किया जा सकता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह विशेष अवसर है। खेतों में फसल कटाई के बाद बचने वाले अवशेष अक्सर किसानों के लिए समस्या बन जाते हैं। यदि इन्हीं अवशेषों का उपयोग ऊर्जा उत्पादन में हो, तो कचरे को उपयोगी संसाधन में बदला जा सकता है। यह परिवर्तन केवल पर्यावरण के लिहाज से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि किसान की अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर सकता है। फसल अवशेषों और अन्य जैविक सामग्री का बाजार विकसित होने पर किसानों को अतिरिक्त आय मिल सकती है। गांवों के आसपास जैव ईंधन संयंत्र स्थापित होने से परिवहन, संग्रहण, प्रसंस्करण और उत्पादन से जुड़े रोजगार भी पैदा होंगे। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सकती है। जैव ईंधन का एक महत्वपूर्ण लाभ यह है कि यह कचरा प्रबंधन की समस्या का समाधान भी प्रस्तुत करता है। शहरों में रोजाना बड़ी मात्रा में जैविक कचरा निकलता है। गांवों में पशुओं का गोबर और कृषि अवशेष उपलब्ध हैं। यदि इन संसाधनों को वैज्ञानिक तरीके से एकत्र कर उनका प्रसंस्करण किया जाए, तो बायोगैस और बायो-सीएनजी जैसे ईंधन तैयार किए जा सकते हैं। इससे एक तरफ कचरे का बेहतर प्रबंधन होगा, दूसरी तरफ स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध होगी।

पर्यावरण की दृष्टि से भी जैव ईंधन का महत्व बढ़ जाता है। पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक इस्तेमाल से वायु प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की समस्या बढ़ी है। जैव ईंधन इन चुनौतियों को कम करने में मदद कर सकता है, हालांकि इसके उत्पादन और उपयोग में वैज्ञानिक मानकों और टिकाऊ व्यवस्था का पालन आवश्यक है। केवल जैव ईंधन को बढ़ावा देना पर्याप्त नहीं है; यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसके लिए प्राकृतिक संसाधनों पर अनावश्यक दबाव न पड़े। भारत में एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल इसका एक प्रमुख उदाहरण है। पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने से पेट्रोलियम की खपत में कमी लाने और घरेलू स्तर पर उत्पादित ईंधन का उपयोग बढ़ाने में मदद मिलती है। इससे गन्ना उत्पादक किसानों और एथेनॉल उद्योग को बाजार मिलता है। भविष्य में तकनीक के विकास के साथ कृषि अवशेषों और गैर-खाद्य जैविक पदार्थों से एथेनॉल का उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। इससे खाद्य फसलों और ईंधन के बीच संभावित प्रतिस्पर्धा को भी कम किया जा सकेगा। जैव ईंधन की सफलता के लिए तकनीक और नीति दोनों महत्वपूर्ण हैं। उत्पादन लागत कम करने, ईंधन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और छोटे स्तर के उत्पादकों को बाजार से जोड़ने के लिए मजबूत व्यवस्था जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे और विकेंद्रीकृत जैव ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा सकते हैं। इससे स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग स्थानीय जरूरतों के लिए किया जा सकेगा। इसके साथ ही किसानों को केवल कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला व्यक्ति न मानकर ऊर्जा अर्थव्यवस्था का भागीदार बनाना होगा। किसान उत्पादक संगठनों, सहकारी समितियों और स्थानीय उद्यमों को जैव ईंधन की पूरी श्रृंखला से जोड़ा जा सकता है। इससे जैव ईंधन का लाभ कुछ बड़े उद्योगों तक सीमित रहने के बजाय गांवों तक पहुंचेगा।

भारत के लिए जैव ईंधन की सबसे बड़ी संभावना इसी बात में है कि यह ऊर्जा, कृषि, पर्यावरण और रोजगार–चारों को एक साथ जोड़ता है। एक ओर खेतों के अवशेषों का उपयोग हो सकता है, दूसरी ओर किसानों को आय मिल सकती है। कचरे की समस्या कम हो सकती है और स्थानीय स्तर पर ऊर्जा का उत्पादन बढ़ सकता है। साथ ही पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम होने से देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। हालांकि जैव ईंधन को लेकर कुछ चुनौतियां भी हैं। कच्चे माल की नियमित उपलब्धता, संग्रहण और परिवहन, उत्पादन की लागत, तकनीकी क्षमता और बाजार की स्थिरता जैसे विषयों पर लगातार काम करना होगा। यह भी ध्यान रखना होगा कि जैव ईंधन के लिए बड़े पैमाने पर फसलों का ऐसा उपयोग न हो जिससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित हो। इसलिए भविष्य की नीति में फसल अवशेष, जैविक कचरा और गैर-खाद्य स्रोतों से दूसरी और तीसरी पीढ़ी के जैव ईंधन पर अधिक जोर देना उपयोगी होगा।

आज दुनिया ऊर्जा के ऐसे मॉडल की तलाश में है जो विकास की जरूरतों को पूरा करते हुए पर्यावरण की रक्षा कर सके। भारत के पास इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए विशाल कृषि संसाधन, वैज्ञानिक क्षमता और बड़ा घरेलू बाजार मौजूद है। जरूरत केवल इन संसाधनों को एक सुव्यवस्थित नीति और प्रभावी तकनीक से जोड़ने की है।

भारत की ऊर्जा यात्रा अब केवल अधिक ऊर्जा पैदा करने की यात्रा नहीं है। यह स्वच्छ, सस्ती, स्थानीय और टिकाऊ ऊर्जा की ओर बढ़ने की यात्रा है। जैव ईंधन इस बदलाव का महत्वपूर्ण आधार बन सकता है। सही नीति, आधुनिक तकनीक, किसानों की भागीदारी और निजी क्षेत्र के सहयोग से जैव ईंधन आने वाले वर्षों में भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ स्वच्छ पर्यावरण और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का रास्ता भी खोल सकता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

पर्यावरण सुरक्षा के लिए कानून से ज्यादा जरूरी है नागरिक चेतना

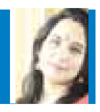

प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

पर्यावरण की चिंता आज किसी एक देश, सरकार या संस्था की चिंता नहीं रह गई है। यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का सवाल बन चुकी है। साफ हवा, स्वच्छ पानी, उपजाऊ मिट्टी, जंगल और जैव विविधता हमारे जीवन की बुनियादी जरूरतें हैं, लेकिन विकास की दौड़ में हमने इन्हीं प्राकृतिक संसाधनों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। विडंबना यह है कि पर्यावरण संरक्षण की चर्चा खूब होती है, अभियान चलते हैं, पौधे लगाए जाते हैं और नीतियां बनती हैं, लेकिन प्रकृति को बचाने की जिम्मेदारी अब भी अक्सर केवल सरकार की मान ली जाती है। यही सोच बदलने की जरूरत है।

पर्यावरण किसी मंत्रालय की फाइल नहीं है। हवा, पानी, मिट्टी और जंगल किसी सरकार या विभाग की निजी संपत्ति नहीं हैं। ये समाज की साझा विरासत हैं और इनकी रक्षा भी सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार की भूमिका निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। मजबूत कानून, ईमानदार पर्यावरणीय आकलन, प्रदूषण फैलाने वालों पर कार्रवाई और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की नीतियां जरूरी हैं। लेकिन केवल कानून बना देने से प्रकृति सुरक्षित नहीं हो सकती। कानून तभी प्रभावी होंगे, जब नागरिक उनमें अपना हित और अपनी जिम्मेदारी दोनों देखेंगे। आज शहरों की हवा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। वाहनों की बढ़ती संख्या, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण से उड़ती धूल, कचरा जलाना और कई जगहों पर पराली जलाने जैसी गतिविधियां वायु गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं। अक्सर किसी एक कारण को प्रदूषण के लिए जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है, जबकि समस्या बहुआयामी है। इसका समाधान भी उसी तरह व्यापक होना चाहिए।

प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार की कार्रवाई से नहीं जीती जा सकती। नागरिकों को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। निजी वाहन के बजाय जहां संभव हो सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, कचरा न जलाना, ऊर्जा की अनावश्यक खपत कम करना और स्थानीय स्तर पर हरित क्षेत्र बचाने की कोशिश जैसे छोटे कदम सामूहिक रूप से बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। प्रियंका सौरभ ने अपने एक लेख में भी प्रदूषण के खिलाफ सरकारी उपायों के साथ नागरिक भागीदारी को जरूरी बताया है। पर्यावरण संरक्षण में पेड़ों की भूमिका को लेकर भी हमारी सोच में बदलाव जरूरी है। हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस या किसी विशेष अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम होते हैं। तस्वीरें खिंचती हैं, पौधे लगाए जाते हैं और अभियान समाप्त हो जाता है। लेकिन असली सवाल यह है कि लगाए गए पौधों में से कितने पेड़ बन पाए? पौधा लगाना आसान है, उसे जीवित रखना कठिन। इसलिए अब केवल 'ट्री प्लांटेशन' नहीं, बल्कि 'ट्री केयर' की संस्कृति विकसित करने की जरूरत है। एक पौधा लगाने वाला व्यक्ति उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी ले। स्थानीय निकाय पौधों की निगरानी करें और स्कूल, संस्थाएं तथा नागरिक समूह मिलकर यह सुनिश्चित करें कि लगाए गए पौधे वास्तव में जीवित रहें। पर्यावरण दिवस को फोटो खिंचाने का अवसर बनाने के बजाय आने वाली पीढ़ियों के लिए जिम्मेदारी का दिन बनाया जाना चाहिए। जल संकट भी पर्यावरणीय असंतुलन का गंभीर संकेत है। दुनिया में पानी की समस्या को केवल पानी की कमी के रूप में देखना अधूरा दृष्टिकोण है। कई स्थानों पर पानी उपलब्ध है, लेकिन उसका समान और सुरक्षित वितरण नहीं है। भूजल का अत्यधिक दोहन, तालाबों और झीलों का अतिक्रमण, प्राकृतिक जलस्रोतों का नष्ट होना और वर्षाजल का पर्याप्त संचयन न होना संकट को बढ़ा रहे हैं। शहरीकरण ने भी प्राकृतिक जल निकासी और भूजल रिचार्ज क्षेत्रों पर दबाव बढ़ाया है। इसलिए जल संरक्षण को केवल गर्मियों का अभियान नहीं बनाया जा सकता। वर्षाजल संचयन, तालाबों का संरक्षण, भूजल रिचार्ज और पानी के विवेकपूर्ण उपयोग को शहरों की विकास नीति का हिस्सा बनाना होगा। हर नई इमारत और कॉलोनी की योजना में पानी और प्राकृतिक जल निकासी को उतना ही महत्व मिलना चाहिए जितना सड़क और बिजली को मिलता है।

जलवायु परिवर्तन ने इन चुनौतियों को और गंभीर बना दिया है। तापमान में वृद्धि, अनियमित बारिश, सूखा, बाढ़ और अत्यधिक गर्मी जैसी घटनाएं अब केवल भविष्य की आशंकाएं नहीं रह गई हैं। इनका असर खेती, स्वास्थ्य, रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। इसका सबसे अधिक असर उन लोगों पर पड़ता है, जिनके पास संसाधन सीमित हैं। ग्रामीण महिलाएं, छोटे किसान और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर समुदाय जलवायु जोखिमों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। इसलिए पर्यावरण नीति में सामाजिक न्याय को भी शामिल करना होगा। जलवायु परिवर्तन का समाधान केवल कार्बन उत्सर्जन कम करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। हमें यह भी देखना होगा कि बदलते मौसम का बोझ किस पर सबसे ज्यादा पड़ रहा है और उसे अनुकूलन के लिए कितने संसाधन मिल रहे हैं। भारत जैसे देश में पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन बेहद महत्वपूर्ण है। विकास जरूरी है, सड़कें चाहिए, उद्योग चाहिए, रोजगार चाहिए और शहरों का विस्तार भी होगा। लेकिन विकास का अर्थ यह नहीं हो सकता कि हर नदी पर दबाव बढ़े, हर पहाड़ी काट दी जाए, हर जंगल को निर्माण के लिए उपलब्ध जमीन मान लिया जाए और हर जलस्रोत को अतिक्रमण के लिए छोड़ दिया जाए।

प्रकृति को बचाने का अर्थ केवल पेड़ बचाना नहीं है। इसका अर्थ है हवा को सांस लेने लायक रखना, पानी को पीने लायक रखना, मिट्टी को उपजाऊ रखना और आने वाली पीढ़ियों के लिए रहने योग्य दुनिया छोड़ना। आज हमारे सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि पर्यावरण संकट कितना गंभीर है। हम इसके बारे में पर्याप्त जान चुके हैं। असली प्रश्न यह है कि हम अपनी जानकारी को जिम्मेदारी में कब बदलेंगे। यदि हर नागरिक यह समझ ले कि पर्यावरण कोई बाहरी विषय नहीं, बल्कि उसके अपने जीवन का आधार है, तो परिवर्तन संभव है। कानून रास्ता दिखा सकते हैं, सरकारें व्यवस्था बना सकती हैं और संस्थाएं अभियान चला सकती हैं–लेकिन प्रकृति वास्तव में तभी बचेगी, जब समाज स्वयं उसके संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी मानेगा।

पर्यावरण सुरक्षा कोई विकल्प नहीं, आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा दायित्व है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

लगातार फूल रही है सांस तो सिर्फ थकान न समझें, सलाह जरूर लें

सीढ़ियां चढ़ने, तेज चलने या ज्यादा मेहनत के बाद कुछ देर के लिए सांस फूलना सामान्य हो सकता है। लेकिन अगर रोजमर्रा के सामान्य काम करते हुए भी सांस फूलने लगे, थोड़ी दूर चलने पर हांफने लगें या आराम की स्थिति में भी सांस लेने में परेशानी हो, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लगातार या बार-बार होने वाली सांस फूलना किसी बीमारी का संकेत हो सकती है।

सांस फूलने को मेडिकल भाषा में डिस्निया कहा जाता है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। सबसे आम कारणों में अस्थमा, सीओपीडी, फेफड़ों का संक्रमण, हृदय की बीमारी और लंबे समय तक धूम्रपान शामिल हैं। इसके अलावा एनीमिया, मोटापा, शरीर की फिटनेस कम होना, एलर्जी और कुछ मामलों में तनाव या एंग्जायटी भी सांस फूलने की वजह बन सकते हैं।

खास बात यह है कि सांस फूलना केवल फेफड़ों की बीमारी नहीं है। हार्ट फेल्योर, हृदय की धड़कन में गड़बड़ी और दूसरी कार्डियक समस्याओं में भी ऐसा हो सकता है। इसलिए केवल अपनी तरफ से इनहेलर या कोई दवा शुरू करना सही तरीका नहीं है। डॉक्टर जरूरत के अनुसार ऑक्सीजन लेवल, छाती की जांच, ब्लड टेस्ट, चेस्ट एक्स-रे, ईसीजी और स्पाइरोमेट्री जैसे टेस्ट करा सकते हैं।

पूर्व एम्स निदेशक और पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. रणदीप गुलेरिया भी रेस्पिरेटरी समस्याओं के मूल्यांकन में फेफड़ों और सांस से जुड़े लक्षणों को गंभीरता से लेने पर जोर देते रहे हैं। लगातार रहने वाली या बढ़ती सांस की समस्या का कारण पता लगाना जरूरी है।

किसे ज्यादा सावधान रहना चाहिए: धूम्रपान करने वाले या पहले धूम्रपान कर चुके लोग, बुजुर्ग, अस्थमा या सीओपीडी के मरीज और हृदय रोग से पीड़ित लोगों में सांस फूलने को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। सीओपीडी में शुरुआत में सांस फूलना केवल व्यायाम या ज्यादा चलने पर हो सकता है, लेकिन समय के साथ यह बढ़ सकता है। धूम्रपान और धुएं से दूरी रखें। धूल, तेज केमिकल गंध और प्रदूषण से बचें। डॉक्टर ने पहले से इनहेलर या दूसरी दवा दी है तो उसे निर्धारित तरीके से लें। बार-बार सांस फूल रही है तो यह सोचकर इलाज टालना कि 'उम्र के साथ ऐसा होता है' सही नहीं है।

कब तुरंत मदद लें : अचानक बहुत तेज सांस फूलने लगे। सांस के साथ सीने में दर्द या दबाव हो। चक्कर आएं, बेहोशी हो या भ्रम की स्थिति बने। होंठ या नाखून नीले पड़ने लगें।, इतना सांस का संकट हो कि ठीक से बोलना मुश्किल हो।, लंबे सफर या हाल की सर्जरी के बाद अचानक सांस फूलने लगे।

निशाना

दूर दिल से हटा दो नफ़रत को...

प्रदीप कश्यप

दिल में लोगों के खूब ही डर है।
जुल्म करता बहुत सितम गर है।
दूर दिल से हटा दो नफ़रत को।
ज़िंदगी प्यार से ही बेहतर है।
कोई छोटा बड़ा नहीं होता।
हरिक इंसान ही बराबर है।
पेड़ फलदार हो गया जबसे।
सबके हाथों में तबसे पत्थर है।
दोष इसमें नहीं किसी का भी।
अपना बिगड़ा हुआ मुक़द्दर है।
लब पे मुस्कान फूल के जैसी।
आँखों में अश्कों का समंदर है।
साथ कश्यप नहीं है कोई भी।
हाल गर्दिश में जब से बदतर है।

वायरल कंटेंट

मेट्रो में कपड़े सुखाने लगा यात्री, देखकर बोले साथी... घर की बालकनी याद आ गई!

दिल्ली की बारिश ने एक यात्री को ऐसा जुगाड़ करने पर मजबूर कर दिया कि मेट्रो का सफर अचानक 'घर की बालकनी' जैसा नजर आने लगा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में एक यात्री दिल्ली मेट्रो के अंदर अपने गीले कपड़े सुखाता दिखाई दे रहा है। उसने कपड़ों को इस तरह टांगा कि आसपास बैठे यात्रियों को कुछ देर के लिए समझ ही नहीं आया कि वे मेट्रो में सफर कर रहे हैं या किसी घर के ड्राइंग रूम में।

दरअसल, दिल्ली-एनसीआर में बारिश के कारण इन दिनों लोगों को रोजमर्रा के कामों में काफी परेशानी हो रही है। कपड़े धोने के बाद उन्हें सुखाना भी किसी चुनौती से कम नहीं। वीडियो में यात्री ने अपने कपड़ों को मेट्रो के कोच के अंदर टांग रखा है। कपड़े यात्रियों के ऊपर या रास्ते में नहीं, बल्कि ऐसी जगह लगाए गए हैं जहां वे हवा लगने से सूख सकें। कुछ यात्रियों के लिए यह नजारा इतना असामान्य था कि उन्होंने इसका वीडियो बना लिया। देखते ही देखते वीडियो सोशल मीडिया पर पहुंच गया और लोग अपने-अपने अंदाज में कमेंट करने लगे।किसी ने इसे 'मेट्रो कम लॉन्ड्री' बताया तो किसी ने कहा कि बारिश में कपड़े सुखाने के लिए इससे बेहतर 'एसी ड्रायर' भला कहां मिलेगा। एक यूजर ने मजाक में लिखा कि अब मेट्रो में कपड़े सुखाने के बाद बस चाय बनाने की व्यवस्था भी कर दी जाए तो घर से बाहर निकलने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

बारिश ने कर दिया परेशान: बारिश के मौसम में सबसे बड़ी परेशानी सिर्फ भीगने की नहीं होती। लगातार नमी के कारण घरों में कपड़े भी जल्दी नहीं सूखते। धूप गायब हो तो कपड़े कई बार एक-दो दिन तक गीले पड़े रहते हैं। यही वजह है कि लोगों को कपड़े सुखाने के लिए तरह-तरह के जुगाड़ करने पड़ते हैं। इस वायरल वीडियो में भी यात्री का यही जुगाड़ लोगों को हंसा रहा है। हालांकि, मेट्रो के अंदर इस तरह निजी सामान फैलाना सामान्य व्यवहार नहीं माना जाता और सार्वजनिक परिवहन में यात्रियों को दूसरे लोगों की सुविधा और सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए। भारत में जुगाड़ को लेकर वैसे भी किस्सों की कमी नहीं है। कभी बाइक पर पूरा घर लादने का वीडियो वायरल होता है तो कभी स्कूटर पर असंभव लगने वाला सामान ले जाते लोग नजर आते हैं। इस बार बारिश ने एक यात्री के 'जुगाड़' को इंटरनेट तक पहुंचा दिया। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जहां परेशानी होती है, वहां भारतीय जुगाड़ भी पैदा हो जाता है। बस फर्क इतना है कि इस बार जुगाड़ घर की बालकनी में नहीं, चलती मेट्रो में दिखाई दिया।

टेक्नो अपडेट

ट्राई ने की कस्टमर सेफ्टी की तैयारी, फोन पर 1601 से आ रही कॉल उठा सकेंगे

आजकल ऑनलाइन फ्रॉड की वजह से लोग अनजान नंबरों से आने वाली कॉल्स उठाने से डरने लगे हैं। किसी अनजान नंबर से कॉल आए, तो एक बार को मन में ख्याल जरूर आता है कि यह किसी स्कैमर का कॉल भी हो सकता है। हालांकि, जरूरी कॉल्स को मिस करने के डर से ऐसे कॉल्स को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। इस चिंता को समझते हुए ट्राई ने बेहद जरूरी फैसला लिया है। उसने ऑफिशियल कॉल्स के लिए एक खास नंबर सीरीज जारी की है। ऐसे में अब आपको 1601 से शुरू होने वाले किसी नंबर से कॉल आए, तो आप निश्चिंत होकर कॉल रिसीव कर पाएंगे।

TRAI ने इस सीरीज के नंबर ट्रांजेक्शनल और सर्विस कॉल्स के लिए रिजर्व कर दिए हैं। ऐसे में बैंक के OTP, कूरियर डिलीवरी अपडेट या बिजली-पानी जैसे यूटिलिटी बिल से जुड़ी जरूरी जानकारी देने के लिए कंपनियां इस सीरीज के नंबर से कॉल करेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक पहले चरण में यूटिलिटीज, कूरियर और लॉजिस्टिक्स सेक्टर की कंपनियों को यह सुविधा दी जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक TRAI के इस फैसले से ऑनलाइन होने वाले फ्रॉड पर रोक लगाने में बहुत मदद मिलेगी। दरअसल देखा गया है कि स्कैमर्स किसी भी 10 अंकों वाले नंबर से कॉल लगाकर लोगों को बड़ी कंपनी का अधिकारी बताकर ठगने की कोशिश करते हैं। ऐसे में जब 1601-सीरीज के नंबर खास कंपनियों के लिए रिसर्व किए जाने से लोगों के लिए पहचानना आसान हो जाएगा कि उन्हें सही जगह से कॉल आ रहा है या नहीं। गौर करने वाली बात है कि यह नंबर उन कंपनियों को दिया जाएगा, जिनका टेलीकॉम ऑपरेटरों द्वारा कड़ा वेरिफिकेशन किया जा चुका है।

सुरक्षित कॉलिंग के अलावा, TRAI टेलीकॉम सर्विस की क्वालिटी सुधारने पर भी लगातार काम कर रहा है। उदाहरण के लिए, Jio ने जून 2026 में TRAI के ग्राहक सेवा क्वालिटी स्टैंडर्ड्स को पूरी तरह से लागू कर दिया है। साथ ही, TRAI ने अपने MyCall ऐप को भी अपडेट किया है, जिससे यूजर्स वॉयस कॉल की क्वालिटी को रेट और रिपोर्ट कर सकते हैं। इसके अलावा, अब जियो और एयरटेल जैसी कंपनियां 5G स्लाइसिंग के लिए ज्यादा पैसे भी चार्ज कर पाएंगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे बेहतर गुणवत्ता वाली सेवाएं मिल सकेंगी।?

न्यूज विंडो

बेतवा नदी के पुल के ऊपर से बह रहा पानी, मुख्य मार्ग हुआ बंद

गंजबासौदा। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते बेतवा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। पहली बार इस बारिश के दौरान बेतवा नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने लगा, जिसके चलते मुख्य मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बंद हो गया। नदी का पानी पुल के ऊपर आने से मार्ग के दोनों ओर वाहनों की आवाजाही रुक गई और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लगातार बारिश के कारण नगर और आसपास के क्षेत्रों में जगह-जगह पानी ही पानी नजर आ रहा है। बेतवा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी के बाद पुल के ऊपर पानी आने से सिरोंज, अशोकनगर और विदिशा की ओर जाने वाला आवागमन प्रभावित हुआ है। मार्ग बंद होने से वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बेतवा नदी में बढ़ते जलस्तर और तेज बहाव को देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि नदी के किनारे न जाएं और पानी के तेज बहाव वाले स्थानों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। साथ ही किसी भी पुल-पुलिया के ऊपर पानी बहने की स्थिति में वाहन लेकर उसे पार करने का प्रयास नहीं करें। प्रशासन ने नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा है कि बारिश के दौरान नदी-नालों और पुल-पुलियों के जलस्तर में अचानक वृद्धि हो सकती है। ऐसे में अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जलभराव और तेज बहाव वाले स्थानों पर जाने से बचें।

तिरंगामय हुआ शहर, राष्ट्रभक्ति के रंग में निकली तिरंगा यात्रा

गंजबासौदा। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में स्वतंत्रता के महापर्व को राष्ट्रभक्ति और जन-उत्साह के साथ मनाने के लिए संपूर्ण अनुविभाग में हर घर तिरंगा अभियान का शंखनाद हो चुका है। अभियान को ऐतिहासिक और जनभागीदारीपूर्ण बनाने के उद्देश्य से स्थानीय प्रशासन के नेतृत्व में सोमवार को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ लाल परेड ग्राउंड, तहसील कार्यालय परिसर से हुआ। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे बड़ी संख्या में नागरिक यात्रा में शामिल हुए। यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई गांधी चौक पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। पूरे मार्ग में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला और भारत माता के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सम्मानित नागरिकों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, युवाओं, मातृशक्ति एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। तिरंगा यात्रा के माध्यम से नागरिकों ने राष्ट्र के प्रति अपनी कृतज्ञता और देशभक्ति की भावना प्रकट की। हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से प्रशासन द्वारा नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्र के गौरव और सम्मान में सहभागी बनने का आह्वान किया गया। तिरंगा यात्रा ने नगरवासियों में देशप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को और मजबूत किया।

कुरई घाटी में एक तेज रफ्तार कंटेनर अनियंत्रित होकर पलटा

सिवनी। जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर कुरई घाटी में एक तेज रफ्तार कंटेनर अनियंत्रित होकर पलट गया। हालांकि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन सड़क पर कंटेनर पलटने से कुछ समय के लिए यातायात जरूर बाधित रहा। इससे राहगीरों को असुविधा का सामना करना पड़ा।

सालीचौका रेलवे फाटक पर मूंग से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ट्रैक पर फंसी

नरसिंहपुर। जिले के सालीचौका रेलवे फाटक 251 स्पेशल पर मूंग से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली रेलवे ट्रैक पर फंस गई। जिससे काफी देर यहां लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार ट्रॉली का हिच टूटने के बाद वह ट्रैक के बीचों-बीच अटक गई। बताया गया है कि यदि समय रहते जेसीबी की मदद से ट्रॉली को हटा लिया गया, जिससे बड़ा रेल हादसा टल गया।

मूंग खरीदी, नागद्वारी मेले और त्योहारों की व्यवस्थाओं की समीक्षा

कलेक्टर ने कहा-अमानक मूंग खरीदी मिली तो जिम्मेदारों पर होगी कार्रवाई

बारिश में क्षतिग्रस्त सड़कों और साइड शोल्डर की तत्काल मरम्मत के निर्देश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में चल रही मूंग खरीदी को लेकर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने अधिकारियों को गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उपार्जन केंद्रों पर किसी भी स्थिति में अमानक मूंग की खरीदी नहीं की जाए। यदि किसी केंद्र पर अमानक मूंग की खरीदी सामने आती है तो संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने कहा कि उपार्जन प्रक्रिया में गुणवत्ता जांच को लेकर किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अधिकारियों को केंद्रों की नियमित निगरानी कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वर्षाकाल को देखते हुए कलेक्टर ने सड़क निर्माण और रखरखाव से जुड़े सभी विभागों को अपने-अपने क्षेत्रों की सड़कों की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण कहीं सड़क क्षतिग्रस्त होती है तो तत्काल आवश्यक कार्रवाई कर उसकी मरम्मत कराई जाए, ताकि आवागमन प्रभावित न हो।

कलेक्टर ने विशेष रूप से सड़क के साइड शोल्डर की मरम्मत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सड़क और साइड शोल्डर के क्षतिग्रस्त होने से वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए संबंधित विभाग समय रहते क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कर सड़क को सुरक्षित और आवागमन योग्य बनाए रखें। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिले में मूंग खरीदी के साथ मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान, त्योहार, नागद्वारी मेला सहित कई बड़े आयोजन और अभियान संचालित हो रहे हैं। ऐसे में सभी राजस्व अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने संबंधित व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने और किसी भी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यसभा में गूंजी जलवायु परिवर्तन की चिंता

राज्यसभा सांसद नारोलिया ने कहा-50 साल की कृषि-जल रणनीति है आवश्यक

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

राज्यसभा में सांसद माया नारोलिया ने विशेष उल्लेख के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों का मुद्दा उठाते हुए कृषि और जल प्रबंधन के लिए अगले 25 से 50 वर्षों को ध्यान में रखकर दीर्घकालिक रणनीति तैयार करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, बल्कि वर्तमान की गंभीर समस्या बन चुका है और इसका सबसे अधिक प्रभाव किसानों पर पड़ रहा है।

सांसद नारोलिया ने कहा कि अनियमित बारिश, बढ़ता तापमान, सूखा, अतिवृष्टि और बदलते मौसम चक्र के कारण कृषि क्षेत्र लगातार प्रभावित हो रहा है। ऐसे में केवल प्राकृतिक आपदाओं के बाद राहत देना पर्याप्त नहीं है। किसानों और जल संसाधनों को भविष्य के जलवायु जोखिमों से बचाने के लिए अभी से दूरदर्शी नीतियां तैयार करनी होंगी। नारोलिया ने कहा कि मध्यप्रदेश नर्मदा, चंबल, सोन और ताप्ती जैसी महत्वपूर्ण नदियों से समृद्ध है और यहां कृषि की मजबूत परंपरा रही है। इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन और विवेकपूर्ण उपयोग पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने वर्षा जल संचयन, तालाबों के पुनर्जीवन, सूक्ष्म सिंचाई, जलग्रहण क्षेत्र विकास और भूजल पुनर्भरण को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने जल संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने पर जोर देते हुए कहा कि पारंपरिक जल प्रबंधन प्रणालियों को आधुनिक विज्ञान और तकनीक से जोड़कर अधिक प्रभावी परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। राज्यसभा सांसद ने कहा कि दीर्घकालिक रणनीति में मिट्टी के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी, जलवायु-अनुकूल बीजों का विकास, मौसम आधारित वास्तविक समय की कृषि सलाह और जल के दक्ष उपयोग जैसे विषयों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने किसानों की बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की क्षमता बढ़ाने पर भी जोर दिया।

नारोलिया ने कहा कि कृषि क्षेत्र को भविष्य की जलवायु परिस्थितियों के लिए तैयार करना समय की महत्वपूर्ण मांग है। इसके लिए सरकार, किसान, वैज्ञानिक और समाज सभी को मिलकर दीर्घकालिक प्रयास करने होंगे।

गाय को बचाने में हुआ हादसा

सेब से भरा ट्रक सड़क पर अनियंत्रित होकर पलटा

मंडला। दोपहर मेट्रो

जिले के नेशनल हाईवे-30 पर काष्ठागार डिपो सिझौरा के पास दिल्ली से रायपुर जा रहा सेब से लदा ट्रक अचानक सड़क पर आई गाय को बचाने की कोशिश में बेकाबू होकर पलट गया। जानकारी के अनुसार हादसे के बाद ट्रक में भरे सेब सड़क किनारे बिखर गए। इसके बाद मौके पर मौजूद लोग सेब बीनने और उन्हें ले जाते दिखे। हादसे में ट्रक चालक और परिचालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई है।

हाथियों के बीच संघर्ष में घायल हथिनी स्मिता की मौत, अंतिम संस्कार आज

इटारसी। दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के चूरना क्षेत्र में हाथियों के बीच संघर्ष में गंभीर रूप से घायल 46 वर्षीय हथिनी स्मिता की बीते दिन 4 बजे अचानक जमीन पर गिरने से मौत हो गई। स्मिता के शरीर पर चोट के निशान मिले थे। वन विभाग की टीम ने तत्काल उसका उपचार किया था। उपचार के बाद वह सामान्य रूप से चल-फिर रही थी, लेकिन शाम को अचानक गिरने के बाद उसकी मौत हो गई।

एसटीआर के उप संचालक एवं जनसंपर्क अधिकारी आशीष खोबरागडे ने बताया कि चूरना परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 190, बीट मल्लूपुरा में 9 अगस्त की रात विभागीय हाथियों को जंगल में छोड़ा गया था। 10 अगस्त को हाथियों के वापस लौटने के दौरान मादा हाथी स्मिता के शरीर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए। उसे तत्काल प्राथमिक उपचार और फर्स्ट एड दिया गया। प्रारंभिक जांच में नर हाथी कृष्णा से संघर्ष के दौरान स्मिता के घायल होने की आशंका है। हालांकि संघर्ष किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जांच की जा रही है। वन विभाग के

अनुसार नर हाथी कृष्णा को करीब चार साल पहले कर्नाटक से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व लाया गया था। अब विभागीय टीम जंगल में दोनों हाथियों के बीच संघर्ष की परिस्थितियों और स्मिता को लगी गंभीर चोट के कारणों की जांच कर रही है। जनसंपर्क अधिकारी आशीष खोबरागडे ने बताया कि स्मिता की मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए आज वन्यजीव चिकित्सा दल द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत पोस्टमार्टम और सैंपलिंग की जाएगी। इसके बाद नियमानुसार आज ही उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। वन विभाग की टीम घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

व्याख्यानमाला में साहित्य, समाज और प्रकृति के संबंध पर चर्चा

प्रकृति से जुड़ाव ही आत्मबोध से विश्वबोध: मिश्रा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय साहित्य परिषद जिला इकाई विदिशा एवं श्योपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'आत्मबोध से विश्वबोध' विषय पर आधारित व्याख्यानमाला का आयोजन स्थानीय सनराइजर्स उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम में साहित्य, समाज, प्रकृति और मानव चेतना के विभिन्न पहलुओं पर वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम संयोजक ध्रुव शर्मा ने बताया कि स्वयं को जानने से लेकर संपूर्ण ब्रह्मांड एवं प्रकृति के साथ अपनी एकता का अनुभव करना एक निरंतर चेतना यात्रा है। इसी उद्देश्य को लेकर आयोजित व्याख्यानमाला की श्रृंखला में विदिशा का नाम प्रमुख रूप से शामिल है।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के प्रांत महामंत्री आशुतोष शर्मा ने युवा पीढ़ी से साहित्य के अध्ययन के लिए आगे आने का आह्वान किया। साहित्यकार दिनेश याग्निक ने 'आत्मबोध से विश्वबोध'

विषय से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मुक्तिबोध सृजन पीठ, मध्यप्रदेश शासन के निदेशक ऋषि कुमार मिश्रा ने मानव सभ्यता के क्रमिक विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज और साहित्य में निरंतर हो रहे परिवर्तनों पर सजग दृष्टि रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जब स्वयं को प्रकृति से जोड़कर देखता है और प्रकृति के साथ अपने संबंध को समझता है, तभी आत्मबोध से विश्वबोध की यात्रा पूरी होती है। प्रकृति से जुड़ाव ही व्यापक चेतना और विश्वबोध का आधार है। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम प्रभारी एवं कवि सतेंद्र सत्यज ने किया, जबकि आभार अनुज भार्गव ने व्यक्त किया। इस अवसर पर साहित्यकार विष्णु दुबे, अरुण सोनी, शिवराज दांगी, योगेंद्र राजपूत, दीपक रघुवंशी, अभिषेक भार्गव, शिखा रघुवंशी सहित अनेक साहित्यकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में नगर के अनेक मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया।

मेट्रो एंकर

27 देशों तक पहुंचेगा सर्वधर्म प्रार्थना का संदेश

ऑनलाइन होगा ग्लोबल हीलिंग डे... महाकाल के दर्शन भी होंगे लाइव

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन में मानवता, सर्वधर्म सद्भाव और विश्व शांति के संदेश को लेकर 11वां ग्लोबल हीलिंग डे 11 अगस्त को ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। एक मानवता, एक प्रार्थना-वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 27 देशों और विभिन्न क्षेत्रों के धर्मगुरु, आध्यात्मिक प्रतिनिधि और आम लोग ऑनलाइन जुड़ेंगे। भारत में इंदौर के साथ उज्जैन सहित कई शहरों से भी लोग इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे। कार्यक्रम रात 8:30 बजे जूम प्लेटफॉर्म पर शुरू होगा। आयोजन की शुरुआत महाकाल के लाइव दर्शन से होगी। इसके बाद अलग-अलग धर्मों के प्रतिनिधि अपनी-अपनी परंपराओं के अनुसार पूजा, प्रार्थना, दुआ और अरदास करेंगे। इस दौरान विश्व शांति और मानव कल्याण की सामूहिक कामना की जाएगी।

11वें ग्लोबल हीलिंग डे का प्रत्यक्ष अंतरराष्ट्रीय आयोजन इस बार बैंकॉक स्थित इंडो-थाई चैंबर में

प्रस्तावित था। इसके लिए तैयारियां भी पूरी कर ली गई थीं। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नागरिकों से गैर-जरूरी विदेश यात्राएं टालने की अपील के बाद कृष्णा गुरुजी और आयोजन से जुड़े सदस्यों ने बैंकॉक की यात्रा स्थगित करने का निर्णय लिया। इसके बाद कार्यक्रम को पूरी तरह ऑनलाइन करने का फैसला लिया गया। आयोजकों के अनुसार, बैंकॉक में प्रत्यक्ष आयोजन अब अगले वर्ष यानी 2027 में किए जाने का प्रस्ताव है। आयोजकों के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, बुल्गारिया, कनाडा, चिली, डेनमार्क, फिनलैंड, जर्मनी, हांगकांग, भारत, ईरान, केन्या, मलेशिया, मॉरीशस, नेपाल, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, रोमानिया, रवांडा, सिंगापुर, श्रीलंका, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। आयोजन का अंतरराष्ट्रीय संदेश रखा गया है। इसका उद्देश्य किसी एक धर्म या पंथ को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि विभिन्न धर्मों के बीच सद्भाव, करुणा, सेवा और मानवता की भावना को मजबूत करना है। सर्वधर्म प्रार्थना के बाद कृष्णा गुरुजी की ओर से व्यक्तिगत आध्यात्मिक हीलिंग सत्र भी आयोजित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, इसका उद्देश्य कठिन परिस्थितियों से गुजर रहे लोगों को सकारात्मकता, आत्मबल और मानसिक संबल प्रदान करना है। आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि आध्यात्मिक हीलिंग किसी भी चिकित्सकीय जांच या उपचार का विकल्प नहीं है। इसे चिकित्सा के साथ आशा, सकारात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ाने की एक मानवीय पहल के रूप में देखा जाना चाहिए।

11 साल से जारी है सर्वधर्म प्रार्थना की पहल

ग्लोबल हीलिंग डे की शुरुआत वर्ष 2016 में ऑनलाइन सर्वधर्म प्रार्थना के रूप में हुई थी। इसके बाद मलेशिया, उज्जैन, दुबई, सिएटल, न्यूयॉर्क और ऋषिकेश समेत कई स्थानों पर इसका आयोजन किया गया। कोविड काल के दौरान भी यह पहल ऑनलाइन जारी रही। वर्ष 2022 में सिएटल, 2023 में न्यूयॉर्क, 2024 में ऋषिकेश और 2025 में 10वां ग्लोबल हीलिंग डे ऑनलाइन आयोजित हुआ था। इस पहल से जुड़े कृष्ण कांत मिश्रा को देश-विदेश में कृष्णा गुरुजी के नाम से जाना जाता है। वे आध्यात्मिक चिंतक, मानवसेवी और योग मेंटर के रूप में काम कर रहे हैं। उनका कहना है कि पूजा, प्रार्थना, दुआ और अरदास की विधियां भले अलग हों, लेकिन इनका उद्देश्य मानवता और शांति की भावना को मजबूत करना होना चाहिए।

धार जेल सहित कई अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका जांच के दायरे में, मेडिकल रिकॉर्ड और पोस्टमार्टम पर भी उठे सवाल

जेल में बंदी की मौत मामला: हाईकोर्ट ने न्यायिक जांच और एफआईआर को वैध ठहराया

धार। दोपहर मेट्रो

जिला जेल धार में बंदी भैरू पिता बगदीराम की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति जय कुमार पिल्लई की एकलपीठ ने न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की गई जांच और उसके आधार पर दर्ज एफआईआर को वैध माना है। अदालत ने जेल अधीक्षक राजाराम डांगी समेत अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की ओर से दायर दो रिट याचिकाएं खारिज करते हुए जांच एजेंसी को निष्पक्ष तरीके से आगे की जांच जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

मामला 27 फरवरी 2023 का है। उपलब्ध जांच रिपोर्ट के अनुसार जेल में तलाशी के दौरान प्रतिबंधित सामग्री मिलने के बाद बंदी भैरू के साथ कथित मारपीट की गई थी। जांच में बंदियों ने आरोप लगाया कि उसे डंडों और पट्टे से पीटा गया तथा उसकी छाती पर पैर रखा गया। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

हिरासत में मौत होने के कारण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देश पर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राजकुमार गौड़ ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 176(1) के तहत जांच शुरू की थी। जांच में पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मेडिकल रिकॉर्ड, बंदियों और परिजनों के बयान, जेल दस्तावेज, पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड सहित विभिन्न साक्ष्यों का परीक्षण किया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 3 अप्रैल 2023 को जांच रिपोर्ट प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को सौंप दी थी। जांच रिपोर्ट में भैरू के शरीर पर चोटों के संकेत और कई चोटों का उल्लेख किया गया है। घायल बंदी अरविंद की मेडिकल जांच में भी पीठ और जांघ के पीछे चोटें मिलने की बात दर्ज की गई। वहीं मजिस्ट्रेट ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट को असंगत, अधूरा और अस्पष्ट माना। मेडिकल दस्तावेजों में स्पष्टता की कमी के चलते मृत्यु के कारण का निर्धारण कठिन होने की बात कही गई।

पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी को लेकर भी जांच में सवाल उठे। रिपोर्ट के अनुसार, दो अलग-अलग रिकॉर्ड सामने आए, जिनमें पहली सीडी धुंधली और अस्पष्ट बताई गई, जबकि बाद में प्रस्तुत सीडी अधिक स्पष्ट थी। जांच रिपोर्ट में संबंधित पुलिस अधिकारी और जेल प्रशासन की भूमिका की भी जांच की आवश्यकता बताई गई है। न्यायिक जांच के निष्कर्षों के आधार पर जेल प्रहरी ओंकार चौहान, जेलर श्याम वर्मा, जेल प्रहरी अब्दुल रज्जाक खान और जेल प्रहरी मुकेश सोलंकी पर भैरू के साथ मारपीट कर उसकी मृत्यु कारित करने का आरोप लगाया गया और उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 302 और 201 के तहत मामला दर्ज किया गया।

जेल अधीक्षक राजाराम डांगी के संबंध में जांच रिपोर्ट में घटना के दौरान मौके पर पहुंचने तथा कर्मचारियों को मारपीट रोकने के लिए कहने का उल्लेख है। हालांकि, घायल भैरू को तत्काल पानी या चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं कराने को लेकर उनके विरुद्ध गंभीर लापरवाही और लापरवाही से मृत्यु कारित करने के आरोप में धारा 304 के तहत कार्रवाई की अनुशंसा की गई। संबंधित चिकित्सकों और तत्कालीन थाना प्रभारी की भूमिका पर भी जांच रिपोर्ट में सवाल उठाए गए हैं।

एफआईआर को चुनौती देने हाईकोर्ट पहुंचे थे अधिकारी

जेल अधीक्षक और अन्य याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में धारा 176 (1) के तहत हुई न्यायिक जांच तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर दर्ज एफआईआर को चुनौती दी थी। उनका तर्क था कि मजिस्ट्रेट का अधिकार केवल मृत्यु के कारण का पता लगाने तक सीमित था और वह व्यक्तियों की आपराधिक जिम्मेदारी तय नहीं कर सकते। हाईकोर्ट ने इन तर्कों को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने माना कि पुलिस या न्यायिक हिरासत में हुई मौत को सामान्य मृत्यु नहीं माना जा सकता। ऐसे मामलों में जांच का दायरा केवल मृत्यु के कारण तक सीमित नहीं है, बल्कि हिरासत में व्यक्ति के साथ क्या हुआ और इसके लिए कौन जिम्मेदार हो सकता है, इसकी जांच भी आवश्यक है।

एफआईआर रद्द करने से इनकार

अदालत ने मृतक के शरीर पर चोटों के संकेत, घायल बंदी की मेडिकल रिपोर्ट, बंदियों के बयान, समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिलने के आरोप, पोस्टमार्टम रिकॉर्ड की कथित अस्पष्टता और वीडियोग्राफी की गुणवत्ता सहित विभिन्न पहलुओं को प्रथम दृष्टया महत्वपूर्ण माना। इन परिस्थितियों में एफआईआर को शुरुआती स्तर पर रद्द करना आपराधिक न्याय प्रक्रिया में अनुचित हस्तक्षेप होगा, इसलिए दोनों रिट याचिकाएं खारिज कर दी गईं।

न्यूज विंडो

व्यावसायिक इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अलग कनेक्शन/मीटर लेना जरूरी

तेंदूखेड़ा। नगर एवं क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। बड़ी संख्या में दोपहिया एवं तीनपहिया इलेक्ट्रिक वाहन, विशेष रूप से ई-रिक्शा, संचालित हो रहे हैं। इनमें से कई ई-रिक्शा मालिक अपने वाहनों को घरों में लगे घरेलू बिजली मीटर से चार्ज कर रहे हैं। चूंकि ई-रिक्शा आमदनी का साधन एवं व्यावसायिक उपयोग का वाहन है, इसलिए उसकी चार्जिंग के लिए बिजली कनेक्शन का उपयोग निर्धारित नियमों के अनुरूप किया जाना आवश्यक है। मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के टैरिफ प्रावधानों में ई-व्हीकल/ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशनों के लिए पृथक श्रेणी निर्धारित है। वर्तमान टैरिफ दस्तावेज में ई-व्हीकल/ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशनों के लिए अलग टैरिफ श्रेणी का उल्लेख किया गया है। इस संबंध में तेंदूखेड़ा विद्युत कंपनी के जूनियर इंजीनियर प्रभात दुबे ने बताया कि क्षेत्र में अनेक ई-रिक्शा मालिकों द्वारा चार्जिंग के लिए अलग से मीटर लगवाए जा चुके हैं, लेकिन अभी भी कई वाहन मालिक घरेलू कनेक्शन से ही अपने ई-रिक्शा चार्ज कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे सभी वाहन मालिकों से नियमानुसार आवश्यक अलग कनेक्शन/मीटर लगवाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि घरेलू कनेक्शन का उपयोग व्यावसायिक गतिविधि के लिए करने से विद्युत उपयोग की श्रेणी और बिलिंग में अंतर उत्पन्न हो सकता है। इसलिए ई-रिक्शा मालिक अपने निकटतम विद्युत वितरण कंपनी के कार्यालय से संपर्क कर चार्जिंग के लिए लागू श्रेणी में वैध कनेक्शन प्राप्त करें।

स्कूल में मॉक ड्रिल कर बच्चों को दी आग बुझाने की ट्रेनिंग

तेन्दूखेड़ा। नगर में स्थित अरुष किड्स एकेडमी स्कूल में आपदा प्रबंधन कार्यक्रम के तहत मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जहां संस्था में अचानक कोई घटना हो उसके निवारण में छात्र-छात्राओं की सहभागिता बनाने के उद्देश्य से स्थानीय अरुष किड्स एकेडमी में छात्र छात्राओं को आपदा प्रबंधन के संबंध में जानकारी दी गई। बच्चों ने अचानक आग लगने की स्थिति में अग्नि शमन यंत्र का उपयोग कैसे करना है इसका अभ्यास किया बच्चों को अचानक आग लगने की घटना होने पर बच्चों को मॉक ड्रिल कर आग बुझाने के तरीके को समझाया, कहा गया कि तरीके से प्रयास करने पर आग पर काबू पाया जा सकता है। छात्र-छात्राओं को अग्नि सुरक्षा व बचाव का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया। विद्यालय के डायरेक्टर उमेश विश्वकर्मा, राकेश साहू ने इस प्रशिक्षण की आवश्यकता और महत्व के बारे में बताया कहा कि प्रशिक्षण द्वारा विद्यालय के सभी छात्र कर्मचारी अपनी सुरक्षा के साथ साथ दूसरों की सुरक्षा के गुर सीखेंगे एलपीजी गैस सिलेंडर से होने वाली दुर्घटना और उसके तात्कालिक नियंत्रण का प्रदर्शन किया गया। प्राचार्य राघवेंद्र शुक्ल के अनुसार शैक्षणिक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त बच्चों में समसामयिक विषयों के प्रति भी जागरूकता पैदा हो इस दृष्टि से विद्यालय में विभिन्न गतिविधियां संपन्न कराई जाती हैं, इसी संदर्भ में बच्चों को आपदा प्रबंधन के संबंध में जागरूक किया गया।

धार में कल निकलेगी भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा

धार। आजादी के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहर में देशभक्ति और उत्साह का अनूठा नजारा देखने को मिलेगा। परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष जसबीरसिंह टोनी छाबड़ा के नेतृत्व में एक भव्य भारत जोड़ो तिरंगा वाहन यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा 12 अगस्त 2026 को आयोजित की जाएगी। यात्रा (दोपहर 2 बजे शहर के शहीद प्रतिमा स्थल चौराहे से शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ यात्रा का शुभारंभ होगा। यात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होती पौ चौपाटी पहुंचेगी, जहां मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक एवं पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष कु. बालमुकुन्दसिंह गौतम द्वारा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और महाआरती की जाएगी। इसी के साथ यात्रा का समापन होगा। यात्रा के आयोजक एवं संयोजक जसबीरसिंह टोनी छाबड़ा ने धार नगर के समस्त शहरवासियों, युवाओं और सभी सामाजिक संगठनों से इस भारत जोड़ो तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

आरपीएफ चित्रकूट और क्राइम विंग झांसी की टीम ने की कार्रवाई

बैग खोला तो उड़े होश! बेतवा एक्सप्रेस में मिला 63 लाख कैश, जांच जारी

सतना। दोपहर मेट्रो

बेतवा एक्सप्रेस में चेकिंग के दौरान आरपीएफ चित्रकूट और क्राइम विंग झांसी की संयुक्त टीम ने एक व्यक्ति को 63 लाख रुपये की नकदी के साथ पकड़ा है। इतनी बड़ी रकम बरामद होने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति द्वारा रकम के संबंध में दी गई जानकारी जांच टीम को संतोषजनक नहीं लगी।

जानकारी के अनुसार आरपीएफ चित्रकूट और क्राइम विंग झांसी की संयुक्त टीम बेतवा एक्सप्रेस में नियमित चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान टीम को एक व्यक्ति की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। उसके बैग की तलाशी ली गई तो उसमें बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई। नकदी की गिनती किए जाने पर कुल 63 लाख रुपये सामने आए। इतनी बड़ी रकम मिलने के बाद टीम ने व्यक्ति से पूछताछ शुरू की और रकम से संबंधित दस्तावेज तथा उसके स्रोत के बारे में जानकारी मांगी। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान प्रीतम दास, निवासी सिंधी कैंप, जिला सतना के रूप में बताई गई है। पूछताछ के दौरान वह बरामद 63 लाख रुपये के संबंध में स्पष्ट और संतोषजनक जानकारी नहीं दे सका। जांच के दौरान प्रीतम दास ने कथित तौर पर बताया कि यह रकम उसे संजय उर्फ संजू नामक व्यक्ति ने दी थी और इसे कानपुर पहुंचाना था।

हवाला कारोबार से जुड़े होने की आशंका

इतनी बड़ी मात्रा में नकदी मिलने और रकम के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं मिलने के बाद एजेंसियों को आशंका है कि यह रकम हवाला के जरिए कानपुर भेजी जा रही थी। हालांकि रकम वास्तव में हवाला कारोबार से जुड़ी है या नहीं, इसकी पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। जांच एजेंसियां अब इस बात का पता लगाने में जुटी हैं कि रकम का वास्तविक मालिक कौन है, पैसा कहां से आया और इसे कानपुर में किस व्यक्ति तक पहुंचाया जाना था।

संजय उर्फ संजू की भूमिका भी जांच के घेरे में

पूछताछ में प्रीतम दास द्वारा संजय उर्फ संजू का नाम बताए जाने के बाद अब जांच एजेंसियों की नजर उस व्यक्ति पर भी है। एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि प्रीतम दास को 63 लाख रुपये किस उद्देश्य से दिए गए थे और इस पूरी रकम के लेन-देन में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

जांच के बाद सामने आएगी पूरी तस्वीर

फिलहाल बरामद 63 लाख रुपये मामले की जांच का प्रमुख केंद्र बने हुए हैं। एजेंसियां रकम के स्रोत, उसके मालिक और कानपुर तक पहुंचाने के उद्देश्य की जांच कर रही हैं। साथ ही यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि क्या इस रकम का संबंध किसी संगठित हवाला नेटवर्क से है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच एजेंसियों द्वारा उपलब्ध दस्तावेजों, पूछताछ और अन्य साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी। हवाला से जुड़े होने की बात फिलहाल जांच के स्तर पर है और इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

रॉन्ग साइड दौड़ रही दो स्कूल बसों पर पुलिस ने की कार्रवाई, वसूला जुर्माना

धार। दोपहर मेट्रो

इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात नियमों का उल्लंघन कर रॉन्ग साइड में चल रही स्कूल बसों के खिलाफ यातायात पुलिस ने कार्रवाई की है। विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने मॉडर्न अकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल की दो बसों को रोककर चालानी कार्रवाई की।

यातायात पुलिस के अनुसार दोनों स्कूल बसें निर्धारित दिशा के विपरीत रॉन्ग साइड में संचालित होती पाई गईं। इस पर दोनों वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 4 हजार रुपए का समन शुल्क वसूल किया गया। कार्रवाई के दौरान बस संचालक एवं वाहन मालिक को मौके पर बुलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने रॉन्ग साइड वाहन चलाने से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और इसके गंभीर परिणामों के संबंध में समझाइश दी। साथ ही स्कूल बसों का संचालन निर्धारित यातायात नियमों के अनुसार करने और विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। यातायात प्रभारी ने कहा कि स्कूल बसों सहित सभी वाहन चालक यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। रॉन्ग साइड वाहन चलाने से दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। वाहन चालकों को निर्धारित लेन और दिशा में ही वाहन चलाना चाहिए। यातायात पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

माझी आदिवासी महासंघ ने संगठन का किया विस्तार, जिलाध्यक्ष बने छोटेलाल

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

जिले व उससे लगे आसपास के क्षेत्र में लगातार 2 दिन से हो रही अनवरत वर्षा के बीच नरसिंहपुर में माझी आदिवासी महासंघ (जय विंध्य माझी जनजाति (आदिवासी) महासंघ, रीवा, पंजीकृत संस्था से संबद्ध) की नरसिंहपुर जिले की कार्यकारिणी का गठन शुगन मैरिज लान में आयोजित कार्यक्रम व समग्र सामाजिक संवाद कार्यक्रम में किया गया,जिसे सोशल मीडिया के माध्यम से लाइव किया गया, जिससे दूर दराज और ग्रामीण क्षेत्र के समाज जनों तक इस पूरे कार्यक्रम की जानकारी सुलभता से पहुंच सकें, क्योंकि लगातार हो रही भारी बरसात से ग्रामीण क्षेत्र के अनेक सक्रिय समाजजन इस कार्यक्रम में सहभागी नहीं हो सके उन्हें इस कार्यक्रम की जानकारी उपलब्ध हो सके । इस कार्यक्रम में नरसिंहपुर जिले में आने वाले समय में एक बृहद कार्यक्रम आयोजन की तैयारी पर भी चर्चा की गई व इसी को लेकर संगठन विस्तार और समग्र सामाजिक संवाद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में माझी आदिवासी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह बाथम (ग्वालियर) अमर नोरिया (पत्रकार), सोहन रैकवार,इंदल बर्मन व नरसिंहपुर के युवा समाजसेवी उपस्थित रहे । संगठन विस्तार में जिला अध्यक्ष नरसिंहपुर छोटेलाल कहार (गाडरवारा) उपाध्यक्ष अमर सिंह नोरिया (नरसिंहपुर) तथा नरसिंहपुर नगर उपाध्यक्ष संजय नोरिया को नियुक्त किया गया है, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राकेश कहार (गाडरवारा) की नियुक्ति सर्व सहमति से की गई है ।

मेट्रो एंकर | दो महीने में दरारें, अमरकंटक की नई सड़कों पर 'क्वालिटी' का सवाल

नाका-बराती से रीवा रोड पर सड़क की दरारें और रैलिंग बनी खतरा

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

पर्यटन और धार्मिक नगरी अमरकंटक में हाल ही में बनाई गई सड़कों की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। नाका से बराती के बीच बनी सड़क और नेशनल हाईवे की रीवा रोड से जलेश्वर तक बनाई गई सड़क पर निर्माण के करीब दो महीने के भीतर ही छोटी-छोटी दरारें दिखाई देते हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब नई सड़क इतनी जल्दी दरारों का शिकार होने लगे तो निर्माण के समय गुणवत्ता परीक्षण आखिर किस स्तर पर हुआ था।

सड़क निर्माण के बाद अभी कुछ ही समय बीता है, लेकिन कई स्थानों पर सतह पर छोटी दरारें दिखाई देने लगी हैं। यदि ये दरारें वास्तव में निर्माण की कमी, सामग्री की गुणवत्ता, बेस या कम्पेक्शन से जुड़ी हैं तो मामला गंभीर है। सड़क की मोटाई कितनी रखी गई बेस और सब-बेस की गुणवत्ता क्या थी डामर की गुणवत्ता का परीक्षण हुआ या नहीं कम्पेक्शन की जांच किसने की और निर्माण के दौरान लिए गए नमूनों की लैब रिपोर्ट आखिर कहां है। स्थानीय स्तर पर सड़क निर्माण के दौरान जब गुणवत्ता को लेकर संबंधित इंजीनियर से सवाल किया गया तो कथित तौर पर जवाब दिया गया कि सड़क की तीन साल की गारंटी है और ठेकेदार खराबी आने पर मेंटेनेंस करेगा। अगर सड़क की गुणवत्ता खराब होने के बाद ठेकेदार से मरम्मत करवाना ही व्यवस्था है, तो निर्माण के समय गुणवत्ता जांच और तकनीकी निगरानी के लिए इंजीनियर की भूमिका क्या है। गारंटी सड़क खराब होने के बाद मरम्मत की व्यवस्था हो सकती है, लेकिन क्या यह निर्माण के समय गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी का विकल्प भी है।

30 साल से ज्यादा का अनुभव, फिर भी दो महीने में दरार

संबंधित इंजीनियर के पास विभिन्न नगरपालिकाओं में तीन दशक से अधिक समय से काम करने का अनुभव बताया जाता है। यदि यह सही है तो सवाल और गंभीर है। इतने लंबे अनुभव के बाद भी यदि सड़क निर्माण के महज दो महीने के भीतर दरारें दिखाई देने लगीं तो इसकी तकनीकी वजह क्या है? निर्माण के दौरान गुणवत्ता परीक्षण में कोई चूक हुई क्या निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित रहा या फिर सड़क में दरार आने के पीछे कोई अन्य तकनीकी कारण है।

इन सवालों का जवाब तकनीकी जांच से ही आ सकते हैं सामने

- सड़क की रेलिंग बनी छोटे जानवरों के लिए मुसीबत?
- मामला सिर्फ सड़क की दरारों तक सीमित नहीं है। सड़क किनारे लगाई गई रेलिंग को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि रेलिंग में छोटे जानवरों के पैर फंस रहे हैं। कुछ दिन पूर्व एक जानवर का पैर टूटने की बात भी सामने आई है।
- सवाल उठता है कि रेलिंग लगाने से पहले उसके डिजाइन और सुरक्षा मानकों का परीक्षण किस नगरपालिका ने यह देखा कि रेलिंग इंसानों के साथ-साथ छोटे जानवरों के लिए भी सुरक्षित है।

गॉल में सहवाग ने ध्वस्त की थी अंजता मेंडिस की मिस्ट्री

अब शुभमन गिल ब्रिगेड के सामने जयसूर्या की होगी बड़ी चुनौती

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज हो रहा है। पहला मुकाबला 15-19 अगस्त के बीच गॉल में खेला जाएगा। वहीं सीरीज का दूसरा मुकाबला 23-27 अगस्त के बीच कोलंबो में खेला जाएगा। गॉल का मैदान एक बार फिर भारतीय बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती लेकर तैयार है। फर्क सिर्फ इतना है कि 2008 में भारत के सामने अजंता मेंडिस की रहस्यमयी स्पिन थी, जबकि इस बार शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम को प्रभात जयसूर्या की फिरकी का सामना करना होगा। भारत और श्रीलंका के बीच लगभग 18 साल पहले गॉल में खेला गया 2008 का दूसरा टेस्ट आज भी भारतीय क्रिकेट इतिहास के यादगार मुकाबलों में गिना जाता है।

उस समय अजंता मेंडिस अपनी 'मिस्ट्री स्पिन' से दुनिया भर के बल्लेबाजों को परेशान कर रहे थे, लेकिन वीरेंद्र सहवाग ने उनकी गेंदबाजी की धार को काफी हद तक बेअसर कर दिया था। वीरेंद्र सहवाग ने उस मुकाबले में पहली पारी में नाबाद 201* रनों की पारी खेली थी। वहीं दूसरी पारी में सहवाग ने 50 रन जड़े थे। दोनों ही पारियों में सहवाग ने अजंता मेंडिस पर जमकर प्रहार किया था। उस मैच में अजंता मेंडिस ने कुल 10 विकेट लिए थे। सहवाग को छोड़कर कोई भी भारतीय बल्लेबाज मेंडिस की फिरकी के सामने नहीं टिक पाया ता। भारत ने यह मुकाबले 170 रनों से अपने नाम किया था।

श्रीलंका की सबसे बड़ी ताकत प्रभात जयसूर्या

अब 2026 में कहानी फिर गॉल पहुंच गई है. इस बार श्रीलंका की सबसे बड़ी ताकत प्रभात जयसूर्या हैं. बाएं हाथ के इस स्पिनर का गॉल में रिकॉर्ड बेहद खतरनाक है. उन्होंने यहां 11 टेस्ट मैचों में 81 विकेट लिए हैं, जो इस मैदान पर उनकी पकड़ और प्रभाव को साफ दिखाता है. गॉल की पिच में जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता है, स्पिनरों के लिए और मददगार होती जाती है. ऐसे में शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल और भारतीय मध्यक्रम की असली परीक्षा होगी.

भारत के लिए उम्मीद की बात यह है कि टीम के बल्लेबाज स्पिन के खिलाफ आक्रामक और सकारात्मक बल्लेबाजी का इरादा रखते हैं. अगर भारतीय बल्लेबाज शुरुआती दौर में जयसूर्या के खिलाफ लय हासिल कर लेते हैं, तो गॉल में इतिहास खुद को दोहराता हुआ भी दिख सकता है. 2008 में सहवाग ने मेंडिस की मिस्ट्री स्पिन को ध्वस्त किया था. अब सवाल यही है, क्या शुभमन गिल की टीम प्रभात जयसूर्या की स्पिन परीक्षा में भी वैसी ही सफलता दोहरा पाएगी?

रोहित-विराट के भविष्य पर रहाणे का दो टूक वार, बोले-

सस्पेंस खत्म करो, बताओ 2027 विश्व कप का साफ प्लान

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच पूर्व भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने बड़ा बयान दिया है। रहाणे ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड और चयनकर्ताओं से वरिष्ठ खिलाड़ियों के भविष्य पर स्पष्ट नीति अपनाने की मांग की है। उनका कहना है कि रोहित और विराट जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के भविष्य पर हर सीरीज के बाद सवाल उठाने के बजाय यह साफ किया जाना चाहिए कि दोनों 2027 के एकदिवसीय विश्व कप की योजना में शामिल हैं या नहीं। रहाणे का मानना है कि रोहित शर्मा के भविष्य का फैसला कुछ मैचों के प्रदर्शन को देखकर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रोहित ने वर्षों तक भारतीय क्रिकेट को अपनी सेवाएं दी हैं और बड़े मुकाबलों का उनका अनुभव टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। रहाणे के मुताबिक, अगर रोहित 2027 विश्व कप खेलना चाहते हैं तो उन्हें अभी से स्पष्ट भरोसा दिया जाना चाहिए। इससे खिलाड़ी लगातार अपने भविष्य को लेकर उठने वाले सवालों से दूर रहकर पूरी तरह क्रिकेट पर ध्यान दे सकेगा।

विराट को भी मिला रहाणे का समर्थन

रहाणे ने विराट कोहली को लेकर भी यही रुख अपनाया। उनका कहना है कि रोहित और विराट दोनों ने भारतीय क्रिकेट में असाधारण योगदान दिया है। अगर दोनों खिलाड़ी 2027 विश्व कप तक खेलना चाहते हैं और उनका प्रदर्शन टीम की जरूरतों के अनुरूप रहता है, तो टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं को उनका समर्थन करना चाहिए। रहाणे ने संकेत दिया कि वरिष्ठ खिलाड़ियों को लगातार दबाव में रखकर उनके भविष्य पर सवाल उठाना सही तरीका नहीं है। चयनकर्ताओं को लंबी अवधि की योजना बनानी चाहिए और खिलाड़ियों को उसी के अनुरूप स्पष्ट भूमिका देनी चाहिए।

अनुभव बनाम युवा जोश की बहस

2027 विश्व कप तक रोहित की उम्र करीब 40 वर्ष हो जाएगी। ऐसे में युवा खिलाड़ियों को मौका देने और अनुभवी खिलाड़ियों को बनाए रखने के बीच संतुलन बड़ी चुनौती होगी। हालांकि रहाणे का मानना है कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में अनुभव की अपनी अलग अहमियत होती है। उन्होंने कहा कि किसी बड़े टूर्नामेंट की तैयारी अचानक शुरू नहीं की जा सकती। यदि टीम प्रबंधन रोहित और विराट को भविष्य की योजना में देखता है तो उन्हें समय रहते यह बात स्पष्ट करनी चाहिए। रोहित और विराट के भविष्य को लेकर लंबे समय से चर्चाएं चल रही हैं। ऐसे में रहाणे का बयान इस बहस को और तेज कर सकता है। सवाल अब यही है कि क्या भारतीय क्रिकेट बोर्ड दोनों दिग्गजों को 2027 विश्व कप की योजना में रखकर आगे बढ़ेगा या नई पीढ़ी को तैयार करने के लिए बदलाव की राह चुनेगा। फिलहाल रहाणे ने गेंद सीधे बीसीसीआई और चयनकर्ताओं के पाले में डाल दी है।

आईपीएल 2027 : हार्दिक पांड्या पर बड़ा दांव!

ट्रेड की रेस में सीएसके-केकेआर समेत कई टीमें, एमआई के फैसले पर टिकी हैं नजरें

मुंबई, एजेंसी

आईपीएल 2027 के लिए खिलाड़ियों के ट्रेड को लेकर चर्चाएं तेज होने लगी हैं और सबसे ज्यादा नजरें मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर टिकी हैं। हार्दिक को लेकर चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी बड़ी फ्रेंचाइजी की दिलचस्पी की खबरें सामने आई हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स और राजस्थान रॉयल्स का नाम भी संभावित दावेदारों में जोड़ा जा रहा है। हालांकि, अभी तक किसी ट्रेड पर आधिकारिक मुहर नहीं लगी है और मुंबई इंडियंस ने भी अपने कप्तान को ट्रेड करने को लेकर अंतिम फैसला नहीं किया है।

हार्दिक के संभावित ट्रेड को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या मुंबई इंडियंस वास्तव में उन्हें रिलीज या ट्रेड करने के लिए तैयार है। टीम से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, फ्रेंचाइजी ने अभी इस पर अंतिम निर्णय नहीं लिया है। कुछ टीमों ने मुंबई से संपर्क जरूर किया है और हार्दिक को लेकर शुरुआती बातचीत भी हुई है, लेकिन मामला अभी आगे नहीं बढ़ा है।

मुंबई के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि अगर हार्दिक को ट्रेड किया जाता है तो बदले में ऐसा क्या हासिल हो, जिससे टीम की ताकत कमजोर न हो। किसी स्टार खिलाड़ी को सीधे प्रतिद्वंद्वी टीम को मजबूत करने की कीमत पर छोड़ना फ्रेंचाइजी के लिए आसान फैसला नहीं होगा।

आंकड़े साधारण, फिर भी हार्दिक की मांग बरकरार

हार्दिक का हालिया आईपीएल प्रदर्शन आंकड़ों के लिहाज से बहुत प्रभावशाली नहीं रहा है। 2024 से 2026 के बीच वह किसी भी सीजन में 225 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सके और उनका बल्लेबाजी औसत भी 25 से कम रहा। हालांकि, उनका स्ट्राइक रेट करीब 150 के आसपास रहा है। गेंदबाजी में भी उन्होंने 29 विकेट हासिल किए हैं। इसके बावजूद हार्दिक की अहमियत केवल आंकड़ों से तय नहीं होती। वह भारतीय क्रिकेट के चुनिंदा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों में शामिल हैं। बल्लेबाजी के साथ तेज गेंदबाजी, शानदार क्षेत्ररक्षण और कप्तानी का अनुभव उन्हें दूसरे खिलाड़ियों से अलग बनाता है।

गुजरात को चैंपियन बनाने का अनुभव बड़ी ताकत

हार्दिक की कप्तानी क्षमता भी उनकी सबसे बड़ी खूबियों में शामिल है। गुजरात टाइटंस के साथ उन्होंने पहली ही बार कप्तानी करते हुए टीम को आईपीएल चैंपियन बनाया था। इसके अगले सीजन में गुजरात की टीम फाइनल तक पहुंची। यही वजह है कि हाल के प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव के बावजूद कई फ्रेंचाइजी हार्दिक को लंबी अवधि के निवेश के तौर पर देख रही हैं।

सीएसके के कथित पैकेज ने बढ़ाई हलचल

हार्दिक के संभावित ट्रेड को लेकर सामने आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि चेन्नई सुपर किंग्स ने उनके लिए शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस और 10 करोड़ रुपये का पैकेज पेश किया है। वहीं कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि मुंबई ने इसके साथ युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को शामिल करने की मांग की थी। हालांकि, इस संभावित सौदे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया कि सीएसके आयुष म्हात्रे को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थी। दूसरी ओर, सीएसके और मुंबई से जुड़े सूत्रों ने सक्रिय ट्रेड बातचीत की खबरों को खारिज किया है।चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन ने भी संकेत दिया है कि टीम फिलहाल हार्दिक के मामले में जल्दबाजी नहीं कर रही है। उनका कहना है कि पहले टीम नए कोच की नियुक्ति करेगी और उसके बाद ही बड़े फैसलों पर विचार किया जाएगा।

श्रीलंका क्रिकेट को भारी पड़ा कोच से पंगा, चुकाए 1.64 लाख डॉलर

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट और पूर्व हेड कोच चंडिका हथुरुसिंघे के बीच लंबे समय से चल रही कानूनी लड़ाई आखिरकार खत्म हो गई है। कॉन्ट्रैक्ट समय से पहले समाप्त किए जाने को लेकर शुरू हुआ यह विवाद कई सालों तक चला और अब एसएलसी को समझौते के तहत हथुरुसिंघे को 1 लाख 64 हजार अमेरिकी डॉलर का भुगतान करना पड़ा है। भारतीय मुद्रा में यह रकम करीब 1.56 करोड़ रुपये बैठती है।

संडे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, भुगतान के बाद चंडिका हथुरुसिंघे स्विट्जरलैंड स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में अपनी कानूनी कार्रवाई वापस लेने पर सहमत हो गए हैं। इस समझौते के साथ श्रीलंकाई क्रिकेट से जुड़े लंबे और खर्चीले विवाद का पटाक्षेप हो गया।

चंडिका हथुरुसिंघे ने अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म किए जाने के बाद स्ष्ट के खिलाफ कानूनी लड़ाई शुरू की थी। उस समय उन्होंने करीब 5 मिलियन यानी 50 लाख डॉलर के हर्जाने की मांग की थी। हालांकि सीएएस में शुरुआती कार्यवाही उम्मीद के मुताबिक आगे नहीं बढ़ी। इसके बाद उन्होंने नए सिरे से कानूनी कदम उठाया और करीब 4.50 लाख डॉलर की मांग की।

समय के साथ दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ी और अदालत के बाहर मामले को सुलझाने का रास्ता निकाला गया। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल हुए समझौते में चंडिका हथुरुसिंघे ने 2 लाख डॉलर की राशि स्वीकार करने पर सहमति जताई। इसमें उनकी टैक्स देनदारी का 50 प्रतिशत हिस्सा शामिल था।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

पर्सनल लाइफ पर अफवाह फैलाने वालों पर सख्त अमृता खानविलकर , कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

मुंबई । सोशल मीडिया पर पिछले कुछ समय से एक्ट्रेस अमृता खानविलकर और उनके पति व एक्टर हिमांशु मल्होत्रा की शादीशुदा जिंदगी को लेकर कई खबरें सामने आ रही थीं, जिसमें दावा किया जा रहा था कि दोनों काफी समय से अलग रह रहे हैं। अब अमृता ने इन खबरों पर सख्त कदम उठाने का फैसला किया है।

अमृता की ओर से उनकी लीगल टीम ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया है। इसमें

कहा गया, कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर एक्ट्रेस की निजी जिंदगी को लेकर ऐसी खबरें और बातें शेयर की जा रही हैं, जो बेबुनियाद, मानहानि वाली और उनकी निजता का उल्लंघन करने वाली हैं। हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी है, लेकिन इस आजादी का गलत इस्तेमाल करके अमृता के बारे में अफवाह, बिना पुष्टि की गई जानकारी, गलत आरोप या भ्रामक बातें फैलाना स्वीकार नहीं किया जाएगा।

टीवी के शो में हुई थी हिमांशु से मुलाकात

अमृता और हिमांशु की पहली मुलाकात साल 2004 में टीवी शो इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज के सेट पर हुई थी। मुलाकात के बाद दोनों की दोस्ती हुई और धीरे-धीरे उनका रिश्ता प्यार में बदल गया। कई साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने जनवरी 2015 में शादी कर ली थी। शादी के कुछ समय बाद अमृता और हिमांशु एक साथ डांस रियलिटी शो नच बलिए 7 में भी नजर आए थे। शो में दोनों ने बतौर कपल हिस्सा लिया था। उस समय उनकी जोड़ी को दर्शकों का काफी प्यार मिला था। अब शादी के कई साल बाद दोनों की निजी जिंदगी को लेकर तरह-तरह की खबरें सामने आने के बाद अमृता ने कानूनी बयान जारी किया है।

मुसाफिर कैफे में बेबाक लड़की बनीं वेदिका पिंटो, कहा- काश मैं भी सुधा जैसी होती

मुंबई । अभिनेत्री वेदिका पिंटो ने वेब सीरीज मुसाफिर कैफे में सुधा नाम की बेबाक लड़की का किरदार निभाया है, जो ज्यादा विचार नहीं करती, बल्कि अपनी अंतरात्मा और इंस्टिंक्ट (सहज ज्ञान) पर भरोसा करती है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वे सुधा की तरह बनना चाहती हैं।

वेदिका पिंटो ने बताया कि उनमें और सुधा में जमीन आसमान का फर्क है। उन्होंने कहा,काश मैं सुधा जैसी होती। हमारे बीच सबसे बड़ा फर्क यह है कि मैं बहुत ज्यादा सोचती हूं, जबकि सुधा शायद ही कभी किसी चीज पर ज्यादा सोचती है। वह अपने मन की सुनती है और उसे जो कुछ भी करना है, उसके लिए वह बहुत कॉन्फिडेंट रहती है। भिनेत्री ने बताया कि इस किरदार को निभाते वक्त उन्होंने सुधा की तरह मन की सुनने की कोशिश की थी।

इससे पहले अभिनेत्री ने अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी फिल्म निशांची में डांसर रिंकू नाम की दबंग और रंगीली लड़की का किरदार अदा किया था। अभिनेत्री से जब आईएएनएस ने अनुराग कश्यप के साथ काम करने को लेकर पूछा, ÷फिल्म निशांची में अनुराग कश्यप के

साथ आपने उनसे ऐसा क्या सीखा जो कोई एक्टिंग स्कूल नहीं सिखा सकता?÷ अभिनेत्री वेदिका पिंटो ने कहा, ÷अनुराग सर के साथ काम करने के दौरान मुझे एक्टिंग के साथ-साथ जिंदगी के बारे में भी बहुत कुछ सीखने को मिला था, जिसे शब्दों में बयां करना थोड़ा मुश्किल है, लेकिन मैं ये जरूर कहना चाहूंगी कि फिल्म निशांची और अनुराग सर के साथ काम करने के बाद मुझमें खुद को स्वीकार करना आया और यही मेरे सफर का सबसे बड़ा सबक रहा है।÷

मेट्रो बाजार

फ्रेशर्स के लिए नौकरी के अवसर बढ़े, 75 प्रतिशत कंपनियां भर्ती के मूड में

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 की दूसरी छमाही के दौरान भारत में फ्रेशर्स के लिए रोजगार के अवसर बेहतर हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 75 प्रतिशत नियोक्ता फ्रेशर्स की भर्ती करने की योजना बना रहे हैं। टीमलीज एडटेक की रिपोर्ट के मुताबिक, पहली छमाही में यह आंकड़ा 73 प्रतिशत था, जो यह दर्शाता है कि एंट्री-लेवल नौकरियों को लेकर कंपनियों का भरोसा बढ़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिटेल, ई-कॉमर्स, टेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स और विनिर्माण क्षेत्र फ्रेश ग्रेजुएट्स की मांग बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। इन सेक्टर्स में व्यावहारिक कौशल रखने वाले युवाओं के लिए अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सभी क्षेत्रों में भर्ती का माहौल एक जैसा नहीं है। कुछ उद्योगों में फ्रेशर्स की मांग में कमी भी देखने को मिली है। आईटी सेक्टर में फ्रेशर्स को नियुक्त करने की मंशा वर्ष की पहली छमाही के 81 प्रतिशत से घटकर 76 प्रतिशत रह गई है। इसी तरह कंसल्टिंग, टेलीकॉम और मार्केटिंग एवं विज्ञापन क्षेत्रों में भी फ्रेशर्स की भर्ती की इच्छा में करीब 3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं मीडिया एवं एंटरटेनमेंट तथा शिक्षा सेवाओं में फ्रेशर हायरिंग इंटेंट में 2 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। टीमलीज एडटेक के संस्थापक एवं सीईओ शांतनु रूज ने कहा कि कंपनियां अब केवल डिग्री नहीं, बल्कि कौशल-आधारित प्रतिभा की तलाश कर रही हैं।

1,847 बड़े इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स पर केंद्र का खर्च बढ़कर 21.97 लाख करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली । भारत का 1,847 बड़े इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स (जिन्हें अभी बनाया जा रहा है) पर पूंजीगत खर्च जून, 2026 तक 21.97 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह केंद्र सरकार द्वारा बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए निर्धारित किए गए 40.54 लाख करोड़ रुपए के कुल निवेश का 54 प्रतिशत से अधिक है। यह जानकारी केंद्र द्वारा सोमवार को जारी फैक्टशीट में दी गई। फैक्टशीट के अनुसार, कई प्रोजेक्ट पूरे होने के एडवांस स्टेज पर पहुंच चुके हैं। लगभग 709 प्रोजेक्ट्स में से 80 प्रतिशत से ज्यादा विकसित हो चुके हैं, जबकि 337 अन्य प्रोजेक्ट्स में 80 प्रतिशत से ज्यादा वित्तीय काम पूरा हो चुका है।

कनेक्टिविटी पर फोकस को देखते हुए, ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स सेक्टर 1,341 प्रोजेक्ट्स के साथ सबसे आगे है। ये प्रोजेक्ट देश की आर्थिक विकास दर को बढ़ाने और ज्यादा नौकरियां पैदा करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

पीएआईएमएएनए (राष्ट्र-निर्माण के लिए प्रोजेक्ट असेसमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर मॉनिटरिंग और एनालिटिक्स) डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की कुशल निगरानी की जा रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा विकसित, पीएआईएमएएनए का इस्तेमाल 150 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा लागत वाले चल रहे केंद्रीय क्षेत्र के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की निगरानी के लिए किया जाता है। प्रोजेक्ट की निगरानी को मजबूत करने के अलावा, पीएआईएमएएनए ने 16 अप्रैल, 2026 को लॉन्च किए गए एक समर्पित परफॉर्मेंस मॉनिटरिंग डैशबोर्ड के जरिए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदर्शन की निगरानी में मदद करने के लिए अपनी भूमिका का विस्तार किया है। परफॉर्मेंस मॉनिटरिंग डैशबोर्ड प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों के प्रदर्शन संकेतक को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक साथ लाता है।

संकटग्रस्त गिद्ध को मिली नई जिंदगी

खुले आसमान में फिर भरी आजादी की उड़ान

कर्नाटक के रामनगर से वन्यजीव संरक्षण की उम्मीद जगाने वाली तस्वीर सामने आई है। करीब छह महीने के भारतीय गिद्ध को सफलतापूर्वक बचाने, उपचार करने और पुनर्वास के बाद फिर से प्रकृति की गोद में छोड़ दिया गया। 6 अगस्त को उपचार और पुनर्वास पूरा होने के बाद 10 अगस्त को पीपल फॉर एनिमल्स (पीएफए) वन्यजीव अस्पताल की टीम ने गिद्ध को श्री रामदेवराबेट्टा गिद्ध अभयारण्य में आजाद किया। भारतीय गिद्ध को अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की लाल सूची में अत्यंत संकटग्रस्त श्रेणी में रखा गया है। इस गिद्ध की सुरक्षित वापसी वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों के लिए उम्मीद की एक नई किरण है।

न्यूज विंडो

भारत के रोजगार बाजार की तस्वीर साफ-एक साल में मामूली सुधार

नई दिल्ली। देश के रोजगार बाजार को लेकर ताजा आंकड़ों ने तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून 2026 तिमाही में भारत की बेरोजगारी दर 5.5 प्रतिशत रही। एक साल पहले इसी अवधि में यह 5.6 प्रतिशत थी। यानी सालाना आधार पर बेरोजगारी में मामूली सुधार हुआ है, लेकिन कुल मिलाकर रोजगार बाजार में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिला। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के मुताबिक, शहरों में रोजगार की स्थिति में कुछ सुधार दर्ज हुआ है। जून 2025 में शहरी बेरोजगारी दर 7.1 प्रतिशत थी, जो जून 2026 में घटकर 6.6 प्रतिशत रह गई। इसके विपरीत ग्रामीण बेरोजगारी दर में ज्यादा बदलाव नहीं आया। कामकाजी उम्र की आबादी में रोजगार पाने या नौकरी तलाशने वालों की हिस्सेदारी यानी श्रम बल भागीदारी दर जून 2026 में 54.4 प्रतिशत रही।

सतारा में भीषण हादसा: ट्रक की टक्कर से कार सवार 4 युवकों की मौत

सतारा। महाराष्ट्र के सतारा जिले में भीषण सड़क हादसा हो गया। जिले में स्थित शिरवल की सीमा में पुणे-बेंगलुरु हाईवे पर सोमवार और मंगलवार की मध्यरात्रि करीब एक तेज रफ्तार कार ने ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में चार युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, मावल तालुका के कामशेत, तालेगांव दाभाड़े और आस-पास के इलाकों के छह युवक एक नेक्सन कार में जा रहे थे। शिरवल में कार ने एक अशोक लेलैंड ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में वेदांत अर्जुन वारिंगे (उम्र 19, निवासी तलेगांव दाभाड़े), सोनलिंग धीरेंद्र ठाकुर (उम्र 19, निवासी कामशेत), आदित्य बालासाहेब गरुड़ (उम्र 19, निवासी तकवे, ताल. मावल) और निखिल बालू राउत (उम्र 20, निवासी कामशेत) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दीक्षित दयानंद पुजारी (उम्र 20, निवासी कामशेत) और मयूर हनुमंत शिंदे (उम्र 20, निवासी बाउर, कामशेत) दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए।

कल्याण में कुत्तों का आतंक! 24 घंटे में 161 लोगों को काटा

कल्याण (ठाणे)। महाराष्ट्र के कल्याण पश्चिम में आवारा कुत्तों के आतंक ने लोगों में दहशत पैदा कर दी है। रविवार दोपहर से सोमवार दोपहर के बीच अलग-अलग इलाकों में 161 से ज्यादा लोगों के कुत्तों के काटने के मामले सामने आए। खड़कपाड़ा, बिर्ला कॉलेज रोड, पुराने आरटीओ कार्यालय के आसपास और भोईरवाड़ी इलाके में सबसे ज्यादा घटनाएं हुईं। हालात ऐसे रहे कि राहगीरों, बाइक सवारों और रिक्शा चालकों के पीछे कुत्तों के झुंड दौड़ते नजर आए। कुत्तों के हमले में एक 11 वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। उसकी हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए मुंबई के सायन स्थित लोकमान्य तिलक अस्पताल भेजा गया है। घटना के बाद इलाके के लोगों में डर और गुस्सा दोनों बढ़ गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कुत्तों के हमले अचानक हो रहे थे। कई परिवारों ने बच्चों को घर से बाहर भेजना बंद कर दिया। सोसायटियों के मैदानों में खेलने वाले बच्चों पर भी रोक लगा दी गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के 100 फीसदी टैरिफ वाले बिल ने बढ़ाई चिंता

रूस पर प्रतिबंध लगाना है बहाना, भारत पर निशाना!

7 विशेषज्ञों ने पूछा- यूरोप और अमेरिका के रूस से आयात पर कार्रवाई क्यों नहीं?

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस पर शिकंजा कसने के लिए अमेरिका में लाया गया नया प्रतिबंध विधेयक अब भारत के लिए भी बड़ी चिंता का कारण बन गया है। अमेरिकी सीनेट ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने वाले 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एक्ट ऑफ 2026' को 86-11 मतों से पारित कर दिया है। इस विधेयक के कानून बनने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का अधिकार मिल सकता है। खास बात यह है कि प्रस्तावित कार्रवाई की जद में भारत और चीन समेत केवल पांच बड़े खरीदार देश बताए गए हैं।

विधेयक का घोषित उद्देश्य रूस की ऊर्जा बिक्री से होने वाली आय को कम करना है, ताकि रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच मॉस्को पर आर्थिक दबाव बढ़ाया जा सके। हालांकि, प्रस्तावित प्रावधानों ने भारत की चिंता बढ़ा दी है। रूस से कच्चे तेल और गैस के बड़े खरीदारों में भारत और चीन के अलावा स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान का नाम शामिल किया गया है। बिल अभी अमेरिकी सीनेट से ही पारित हुआ है। इसे प्रतिनिधि सभा से मंजूरी मिलना बाकी है। इसके बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति और अन्य विधायी व प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी होने पर ही यह प्रभावी होगा। यानी फिलहाल यह कानून नहीं बना है, लेकिन इसके संभावित असर को लेकर भारत में बहस तेज हो गई है।

विशेषज्ञ का सीधा सवाल- भारत ही क्यों?

फंड मैनेजर और भारतीय इक्विटी रणनीतिकार हर्ष गुप्ता मधुसूदन ने इस प्रस्ताव को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि रूस से ऊर्जा आयात करने वाले देशों को निशाना बनाने वाला यह अमेरिकी कदम व्यावहारिक रूप से भारत के खिलाफ ज्यादा असर डाल सकता है। विशेषज्ञ ने सवाल उठाया कि अगर मकसद रूस के ऊर्जा कारोबार पर रोक लगाना है, तो रूस से आयात करने वाले अन्य देशों पर भी समान दबाव क्यों नहीं बनाया गया? उनका तर्क है कि कई यूरोपीय देश और अमेरिका भी अलग-अलग रूपों में रूस से व्यापार और आयात जारी रखते रहे हैं। ऐसे में भारत समेत सीमित देशों को संभावित 100 प्रतिशत टैरिफ के दायरे में लाना सवाल खड़े करता है।

भारत-अमेरिका रिश्तों पर भी उठे सवाल

मधुसूदन ने इस घटनाक्रम को भारत-अमेरिका संबंधों की मौजूदा स्थिति से जोड़ते हुए कहा कि इसे दोनों देशों के बीच तथाकथित विशेष रणनीतिक साझेदारी के नजरिए से भी देखने की जरूरत है। उनके मुताबिक, अमेरिकी नीतियों में चीन के साथ संबंधों को लेकर अलग समीकरण दिखाई दे रहा है।

रूसी तेल घटा तो भारत के सामने दोहरी चुनौती

विशेषज्ञ ने चेतावनी दी है कि यदि भारत अमेरिकी दबाव में रूस से तेल और ऊर्जा आयात में बड़ी कटौती करता है, तो इसका असर केवल भारत तक सीमित नहीं रहेगा। इससे वैश्विक तेल बाजार में भी हलचल बढ़ सकती है। उनके अनुसार, भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद कम करने पर दो संभावनाएं बन सकती हैं। पहली, वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की मांग और आपूर्ति का संतुलन बिगड़ने से कीमतें बढ़ सकती हैं। दूसरी, भारत की जगह चीन रूस से ज्यादा ऊर्जा खरीदना शुरू कर सकता है। ऐसी स्थिति में रूस की ऊर्जा आय पर दबाव डालने की अमेरिकी रणनीति का अपेक्षित प्रभाव भी कमजोर पड़ सकता है।

बिल अभी कानून नहीं, लेकिन खतरे की घंटी तेज

फिलहाल इस विधेयक को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की मंजूरी मिलना बाकी है, इसलिए 100 प्रतिशत टैरिफ को तत्काल लागू मानना जल्दबाजी होगी। लेकिन सीनेट में भारी बहुमत से पारित होने के बाद यह मामला भारत के लिए महत्वपूर्ण कूटनीतिक और आर्थिक चुनौती बन गया है। एक ओर भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए किफायती स्रोतों की तलाश में है, वहीं दूसरी ओर अमेरिका की प्रस्तावित कार्रवाई व्यापार, तेल कीमतों और भारत-अमेरिका संबंधों पर दबाव बढ़ा सकती है।

यूपी कांग्रेस में बड़ा एक्शन!

नई टीम बनाने की तैयारी तेज, कई जिलाध्यक्षों पर गिर सकती है गाज

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश कांग्रेस में अब संगठन को लेकर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। पार्टी ने संगठन को नए सिरे से मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसके तहत नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन के साथ-साथ कई जिलों और शहरों में निष्क्रिय पदाधिकारियों पर कार्रवाई की तैयारी है।

पार्टी नेतृत्व ने साफ संकेत दिए हैं कि संगठन में अब सक्रिय और जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया की जिम्मेदारी पार्टी के नवनियुक्त सहप्रभारियों को सौंपी गई है। उन्हें उत्तर प्रदेश में संगठन सृजन अभियान को आगे बढ़ाने और जिलों में संगठन की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं। सहप्रभारियों को एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को सौंपनी होगी। इसके बाद रिपोर्ट पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के पास भेजी जाएगी।

बैठक में मिला बड़ा टास्क

नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में संगठन सृजन अभियान को लेकर हुई बैठक में पार्टी आलाकमान ने संगठन को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया। बैठक में कहा गया कि जो नेता लगातार सक्रिय हैं और पार्टी के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं, उन्हें संगठन में आगे लाया जाए। साथ ही संगठन सृजन अभियान के अगले चरण को इसी सप्ताह शुरू करने के निर्देश दिए गए। बैठक के बाद प्रदेश प्रभारी ने सहप्रभारियों के बीच जोन और जिलों की जिम्मेदारियों का बंटवारा भी कर दिया।

करोड़ों के फ्लैट में दो कौड़ी की हरकत

घरेलू सहायिका को धक्का दिया, मुंह दबाया, बाल खींचे व मारे थप्पड़

गुरुग्राम। साइबर सिटी के गोल्फ कोर्स रोड स्थित कैमेलिया सोसाइटी के करोड़ों के फ्लैट में घरेलू सहायिका से मारपीट का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर एक महिला द्वारा अपनी नौकरानी से मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। सुशांत लोक थाना पुलिस ने इस मामले में आरोपी महिला को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना गुरुग्राम के कैमेलियास अपार्टमेंट, सेक्टर-42 में 24 जुलाई 2026 को हुई थी। थाना सुशांत लोक, गुरुग्राम की

पुलिस टीम ने 10 अगस्त 2026 को ट्विटर (एक्स) पर वायरल हुए वीडियो का स्वतः संज्ञान लिया। वीडियो में एक महिला दूसरी महिला को जबरदस्ती रोककर मारपीट करती दिख रही थी।

बंगाल में बगावत का 'बूमरैंग'! ममता पर हमले के विरोध में उतरे 3 बागी विधायक

'दीदी जहां हैं, तौसीफ भी वहीं है, गरमाई सियासत

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की सियासत में विधानसभा चुनाव के बाद शुरू हुई तृणमूल कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान अब एक नए मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से दूरी बनाकर अलग गुट में जाने वाले तीन विधायकों ने अब ममता के समर्थन में खुलकर आवाज उठाई है। ममता बनर्जी पर कथित हमले के विरोध में हुए प्रदर्शन में इन विधायकों की मौजूदगी ने उनकी संभावित 'घर वापसी' को लेकर अटकलें तेज कर दी हैं।

बसीरहाट उत्तर के विधायक तौसीफ-उर-रहमान, मेतियाबुरुज के विधायक अब्दुल खालिक मोल्लाह और बारुईपुर पूर्व के विधायक बिभास सरदार पहले ममता बनर्जी से राजनीतिक

दूरी बनाकर ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट के साथ चले गए थे।

ममता बनर्जी के समर्थन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान तौसीफ-उर-रहमान का बयान सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के बिना उनका राजनीतिक आधार कमजोर पड़ जाएगा। उनका कहना था कि दीदी जहां हैं, तौसीफ भी वहीं है।

बिभास बोले- सभी विधायक एकजुट हों

बारुईपुर पूर्व के विधायक बिभास सरदार ने पार्टी की एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विधायक तृणमूल कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं और ममता बनर्जी पर हमला होने पर सभी विधायकों को विरोध करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के अलग-अलग गुटों के बावजूद सभी तृणमूल कांग्रेस का ही हिस्सा हैं। उनके इस बयान को राजनीतिक गलियारों में ममता खेमे की ओर बढ़ते झुकाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

मेट्रो एंकर | सावन शिवरात्रि पर शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़, गंगाजल से हुआ भोलेनाथ का भव्य जलाभिषेक

हर-हर महादेव से गूंजा हरिद्वार, दक्षेश्वर महादेव में उमड़ा आस्था का सैलाब

हरिद्वार, एजेंसी

सावन शिवरात्रि के पावन अवसर पर धर्मनगरी हरिद्वार पूरी तरह शिवमय नजर आ रही है। देशभर से पहुंचे श्रद्धालुओं के जयकारों से हरिद्वार के मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थल गूंज उठे हैं। 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष के बीच भक्त भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख, समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना कर रहे हैं। भगवान शिव के ससुराल के रूप में प्रसिद्ध दक्षेश्वर महादेव मंदिर में शिवरात्रि पर आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है। देर रात से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। सुबह होते-होते भक्तों की संख्या और बढ़ गई। कांवड़िए और अन्य श्रद्धालु गंगाजल लेकर भोलेनाथ के दरबार में पहुंचे और विधि-विधान से जलाभिषेक किया।

4.43 करोड़ कांवड़ियों ने उठाया गंगाजल

इस वर्ष हरिद्वार में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड भीड़ देखने को मिली। पुलिस के अनुसार सोमवार शाम तक करीब 4.43 करोड़ श्रद्धालु हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने-अपने घरों के लिए रवाना हो चुके थे। वहीं, अकेले सोमवार को लगभग 63.60 लाख श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचे। करीब 15 दिनों तक चली कांवड़ यात्रा के दौरान देश के अलग-अलग राज्यों से शिवभक्त हरिद्वार पहुंचे और गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर लौटते रहे।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है। कांवड़ मार्गों और प्रमुख मंदिरों के आसपास बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों के साथ पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती की गई है। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिसकर्मियों को भी ड्यूटी पर लगाया गया है। इसके अलावा मेडिकल सुविधाओं, भोजन-पानी और विश्राम की व्यवस्था भी की गई है। सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी ने बताया कि शिवरात्रि के मौके पर मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल और पैरामिलिट्री फोर्स तैनात है। श्रद्धालु शांतिपूर्वक जलाभिषेक कर अपने गंतव्य की ओर लौट रहे हैं।

आज पूर्ण हो रही कांवड़ यात्रा

देशभर में 30 जुलाई से शुरू हुई कांवड़ यात्रा आज सावन शिवरात्रि के साथ संपन्न हो रही है। इसी कारण हरिद्वार के शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए कई मार्गों पर डायवर्जन और आवश्यक पाबंदियां लागू की गई हैं। पूरी धर्मनगरी में भक्ति, आस्था और शिवभक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564